Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 284 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, शुक्रवार 10 मई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जिसका ह्दय सहानुभूति के भाव से परिपूर्ण है, उसे ही आलोचना करने का अधिकार है।

One who has sympathy in his heart, has the right to criticize.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका, पांच महिलाओं सहित सात की मौत

शिवकाशी (आरएनएस)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में शिवकाशी के पास एक पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट की खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार इस हादसे के दौरान पांच महिलाओं सहित सात लोगों की मौत होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक शिवकाशी के एक पटाखा फैक्ट्री में यह हादसा हुआ है। ये ब्लास्ट इतना जोरदार था कि घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर तक धुएं का गुबार और तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। हादसे में कितने लोग घायल हुए फिलहाल इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है।

बसपा ने जारी की प्रत्याशियों की एक और लिस्ट

लखनऊ (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने गुरुवार को एक और लिस्ट जारी कर दी। पार्टी ने कुशीनगर और देवरिया सीट से प्रत्याशियों की घोषणा की है। बसपा की ओर से गुरुवार को जारी सूची के अनुसार, कुशीनगर से शुभ नारायण चौहान और देवरिया से संदेश यादव उर्फ मिस्टर को अपना उम्मीदवार बनाया गया है। ज्ञात हो कुशीनगर से भाजपा ने अपने पुराने सांसद विजय दुबे पर भरोसा जताया है, जबकि देवरिया से रमापति त्रिपाठी का टिकट काट कर शशांक मणि त्रिपाठी को उम्मीदवार बनाया है।

भारत आज किसी देश का पिछलग्गू नहीं अपितु आगे दौड़ने वाला देश है : जेपी नड्डा

बिलासपुर-रायपुर (आरएनएस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी चमड़ी व रंग के आधार पर देश को विभाजित करने की योजना पर काम कर रही है। यह देश व जनता के लिए किसी भी सूरत में सही नहीं है। कांग्रेस के शहजादे जिस प्रकार से धर्म व जाति के नाम पर आरक्षण देने की बातें कर रहे हैं, उससे बेहद भयावह तस्वीर सामने आ रही है। जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस आज भी कांग्रेस की फूट डालो, राजनीति करो की नीति पर चल रही है। धर्म, जाति, क्षेत्रवाद, पहाड़ व मैदान के साथ वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति की जा रही है। जेपी नड्डा बिलासपुर में पन्ना प्रमुख सम्मेलन में भाजपा प्रत्याशी अनुराग ठाकुर और मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे थे।

जेपी नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले देश की जनता यह मान चुकी थी कि अब उदासीनता की राजनीति में कुछ भी बदलने वाला नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की मेहनत से 10 वर्ष के कार्यकाल में दृष्टि, समर्पण और क्षमता के कारण आज देश विकसित भारत का संकल्प पूरा करने की ओर अग्रसर है। पीएम मोदी के ही नेतृत्व में भारत ने अर्थव्यवस्था में ब्रिटेन जैसे देश को पछाड़ा है। भारत आज किसी देश का पिछलग्गू नहीं अपितु आगे दौड़ने वाला देश है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और उसके आतंकी संगठनों पर हुई कड़ी कार्रवाई मोदी की क्षमता और नेतृत्व का ही परिणाम है। यह चुनाव मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का है। नड्डा ने कहा कि आईएनडीआईए घोटाला करने वालों का गठबंधन है। अब राहुल बाबा जरूरतमंदों के आरक्षण पर डाका डालने के लिए ललायित हैं लेकिन मोदी काल में भ्रष्टाचारी या तो जमानत पर हैं, या जेल में हैं। नड्डा ने कहा, हमें सिर्फ जीत ही नहीं चाहिए, अंतर भी बड़ा होना चाहिए।

राहुल पर कसा तंज

राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह आरक्षण को लेकर कार्य करते हैं। संविधान की किताब लेकर घूमते हैं, लेकिन खुद उस किताब को पढ़ते नहीं हैं। अगर पढ़ते तो उन्हें पता होता कि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रविधान नहीं हैं। धर्म के आधार पर आरक्षण देकर कांग्रेस अखंड भारत को खंड-खंड करने का प्रयास कर रही है।

पित्रोदा को भी नहीं बख्शा

भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने भारतीयों पर दिए बयान के लिए सैम पित्रोदा पर निशाना साधा है। उन्होंने पित्रोदा की तुलना पक्षी से की है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टेटस में लिखा कि 'कांग्रेस के अंकल सैम ने कहा कि दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे दिखते हैं, पूर्व व उत्तर पूर्व के भारतीय चीनी जैसे दिखते हैं, गुजरात बेल्ट के लोग अरब जैसे दिखते हैं और उत्तर के लोग सफेद लोगों जैसे दिखते हैं। मुझे आश्चर्य है कि अंकल सैम भारत के किस हिस्से से हैं?

जेपी नड्डा ने कांग्रेस, सपा, बसपा व आप को बताया भ्रष्टाचारी दल

चित्रकूट (आरएनएस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस, सपा, बसपा व आप को भ्रष्टाचारी दल बताते हुए कहा कि इन दलों के कई नेता या तो जेल में हैं या बेल पर हैं। इंडिया नहीं घमंडिया गठबंधन का काम भ्रष्टाचारी बचाओ व परिवारवाद बढाओ है। भाजपा विकासवाद पर विकसित भारत योजना पर काम कर रही है। केंद्र की 44 हजार करोड़ की केन बेतवा गठजोड़ परियोजना से बुंदेलखंड की तस्वीर बदलेगी। डिफेंस कॉरीडोर व बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से इस क्षेत्र में बदलाव आ रहा है। अब डकैतों का भय नहीं है इससे व्यापारी पलायन नहीं बल्कि रोजगार लगा रहे हैं। जेपी नड्डा ने चुनावी सभा में कांग्रेस के राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि भारत जोड़ों नहीं तोड़ो यात्रा चला रहे हैं। गठबंधन के भ्रष्टाचारी नेता जेल में हैं या बेल पर है।

धर्म के नाम पर राजनीति करती है भाजपा : प्रियंका गांधी

सदर विधानसभा के कलसहा, भांव, बेलाखारा सहित दर्जनों गांवों का कांग्रेस की महासचिव ने किया भ्रमण

राही, रायबरेली (आरएनएस)। गुरुवार को राही ब्लाक के भाँव में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार आज देश के युवाओं नौकरी के नाम पर छलावा कर रही है। गांधी परिवार को परिवारवाद का नाम देने वाली भाजपा सरकार को यह बताना चाहती हूं कि देश की राजनीति के लिए मेरे पिता राजीव गांधी मेरी दादी इंदिरा गांधी ने अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए थे। इसी बदौलत आज गांधी परिवार ने जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए हमेशा से रायबरेली के विकास के लिए आगे रहा है।

प्रियंका ने कहा कि भाजपा की पूरी मशीनरी राहुल गांधी के खिलाफ झूठ फैलाने में लगी हुई है। बीजेपी को टारगेट करते हुए यह भी कहा कि पार्टी धर्म, जाति और मंदिर-मस्जिद के बारे में बोलती है लेकिन असल मुद्दों पर बात करने से बचती है। यहां के लोग नेताओं को सही तरीके सा जानते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को जब इंदिरा गांधी की नीति पंसद नहीं आई तो उन्होंने इंदिरा गांधी को हरा दिया।इंदिरा गांधी गुस्सा नहीं हुईं और उन्होंने आत्ममंथन किया। आपने उनको दोबारा से चुना। यही तो रायबरेली की खासियत है कि वह नेताओं को सही से समझते हैं। वहीं, प्रियंका ने संविधान बदलने को लेकर भी कहा कि बीजेपी संविधान को बदलना चाहती है लेकिन जब उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि उन्हें चुनाव में नुकसान उठाना पड़ेगा तो पीएम कहने लगे कि उनकी ऐसी कोई भी योजना नहीं है।प्रियंका गांधी ने कहा कि 5 किलो राशन से भविष्य नहीं बनेगा। इससे आप आत्मनिर्भर नहीं बन सकते हैं।कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि अगर मैं आपसे पूछूं कि आप रोजगार और पांच किलो राशन के बीच क्या चुनेंगे? तो आप साफ तौर पर रोजगार को ही तवज्जो देंगे। यही है जो आपको आत्मनिर्भर बना सकता है। आपको यह समझने की जरूरत है कि जो राजनीतिक दल इस तरह की नीति बनाएगा जिससे आप निर्भर रहेंगे लेकिन आप आत्मनिर्भर नहीं हो सकते। आप अपने पैरों पर नहीं खड़े हो सकते तो उसकी नीति ठीक नहीं है। इस बात को आपको गहराई से समझना पड़ेगा।

बढ़ रही महंगाई को रोकने में भाजपा सरकार नाकाम रही। आज दिन रात अपनी खेतों की रखवाली करने के लिए किसान भाई रात भर जागते हैं तब जाकर जानवरों से बची हुई फसल शायद ही कुछ हद तक उसके घर पहुंच पाती हो। कांग्रेस के आने पर बढ़ रही महंगाई से निजात मिलेगी। युवाओं को रोजगार मिलेगा। इससे पहले राही ब्लाक क्षेत्र के कुचरिया मुंशीगंज बेला टेकई आदि क्षेत्रों का नुक्कड़ सभा द्वारा संबोधित किया गया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी,सपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव,डॉ मनीष सिंह चौहान मौजूद रहे।

15 अगस्त तक 30 लाख सरकारी पदों पर भर्ती शुरू करेंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि 4 जून को उनकी यानी इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। राहुल गांधी का कहना है कि देश में फिलहाल बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है, इंडिया गठबंधन की सरकार आने पर वह 15 अगस्त तक 30 लाख रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती का काम शुरू कर देंगे।

उन्होंने गुरुवार को देश के युवाओं ने नाम एक वीडियो संदेश में यह बातें कही। राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के हाथ से चुनाव निकल रहा है, वे स्लीप कर रहे हैं और वह हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने (भाजपा) निर्णय ले लिया है कि अगले चार-पांच दिनों में आपके ध्यान को भटकाना है। इसके लिए कुछ न कुछ करना है, लेकिन, आपका ध्यान भटकना नहीं चाहिए। बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देंगे। लेकिन, झूठ बोला, नोटबंदी की, गलत जीएसटी लागू की। राहुल गांधी ने कहा, 4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है और हमारी गारंटी है कि 15 अगस्त तक हम 30 लाख रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती का काम शुरू कर देंगे। नरेंद्र मोदी के झूठे प्रचार से भटकना मत, अपने मुद्दों पर डटे रहना। इंडिया की सुनो, नफ़रत नहीं, नौकरी चुनो। राहुल ने कहा कि हम भर्ती भरोसा स्कीम ला रहे हैं। 15 अगस्त तक हमारी इस भर्ती भरोसा स्कीम में 30 लाख युवाओं को रोजगार देने का काम शुरू हो जाएगा।

केदारनाथ धाम के 10 मई को खुलेंगे कपाट, भव्य तरीके से सजाई जा रही मंदिर

केदारनाथ(आरएनएस)। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा 10 मई से शुरू होने वाली है। इसी बीच यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस बार अक्षय तृतीया पर 10 मई को सबसे पहले प्रात: काल 7.15 बजे केदारनाथ धाम के कपाट विधि-विधान और आईटीबीपी की बैंड की धुन के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे पहले गुरुवार सुबह 8.30 बजे भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली का गौरीकुंड में श्रृंगार किया गया। उसके बाद आरती की गई। यहां से डोली केदारनाथ के लिए भेजी गई। हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा के जयकारे लगाए और डोली पर पुष्पवर्षा की। दूसरी तरफ केदारनाथ मंदिर को बहुत ही भव्य और दिव्य तरीके से सजाया जा रहा है। इस बार केदारनाथ मंदिर को लगभग 40 क्विंटल फूलों से सजाया जा रहा है। तीर्थयात्रियों का भी केदारनाथ पहुंचना शुरू हो गया है। केदारनाथ पैदल मार्ग पर घोड़ों और खच्चरों की आवाजाही शुरू हो गई है। गौरीकुंड और सोनप्रयाग से घोड़ों और खच्चरों पर सवार होकर तीर्थयात्री मंदिर तक यात्रा कर रहे हैं। उनकी कोशिश मंदिर खुलने के अवसर पर बाबा केदार के दर्शन करने की है।

तीन चरणों के चुनाव में जनता की नाराजगी देख भाजपा घबरा गई है : अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के बहराइच से लोकसभा प्रत्याशी रमेश चन्द्र गौतम, खीरी से लोकसभा प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा तथा धौरहरा खीरी से लोकसभा के प्रत्याशी आनन्द भदौरिया के पक्ष में विशाल चुनाव जनसभाओं को सम्बोधित कर भारी बहुमत से जिताने की अपील की है।

अखिलेश यादव ने कहा है कि तीन चरणों के चुनाव में जनता की नाराजगी देख भाजपा घबरा गई है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भाजपा के भ्रष्टाचार से त्रस्त जनता इस सरकार के खिलाफ निकल पड़ी है। भाजपा के लोग घबराये हुए हैं। अब तो अपने लोगों पर हमला करने लगें हैं। अभी तक विपक्ष पर हमला करने वाले भाजपा के शीर्ष नेता अपनों के खिलाफ बोलने लगे हैं। एक पार्टी अपनों पर हमला कर रही है तो दूसरी पार्टी अपनों को पद से हटा रही है। बताइये दोनों में मिली भगत है कि नहीं? कहा कि भाजपा ने दस सालों में सत्ता का दुरुपयोग किया है। जनता से विश्वासघात किया है। समाज में नफरत फैलायी। हर स्तर पर भेदभाव किया। किसानों, नौजवानों को धोखा दिया। संविधान और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया है। भाजपा बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के बनाए संविधान को बदलना चाहती है। संविधान में मिले वोट और आरक्षण के अधिकार को छीनना चाहती है। यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव है। किसानों, नौजवानों और देश के भविष्य को बचाने का चुनाव है। हम समाजवादी लोग संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस लड़ाई में एक तरफ संविधान की रक्षा करने वाले संविधान के रक्षक है तो दूसरी तरफ संविधान बदलने की साजिश करने वाले संविधान भक्षक है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने तीन काले कृषि कानून लाकर किसानों की फसल और जमीन छीनने का षडयंत्र रचा। किसानों ने तीन काले कानूनों को विरोध किया आंदोलन किया, धरना दिया। भाजपा ने आंदोलन कुचलने का प्रयास किया। एक हजार किसान शहीद हुए। किसान पीछे नहीं हटे। भाजपा की तानाशाही सरकार को तीनों काले कानून वापस लेना पड़ा। किसानों के आंदोलन के बाद भी भाजपा सरकार ने किसानों की फसलों के लिए एमएसपी का कानूनी अधिकार नहीं दिया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड आज आयेंगे अयोध्या

अयोध्या (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 10 मई को रामनगरी अयोध्या में एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे वह श्रीराम लला मंदिर, हनुमानगढ़ी मंदिर, कुबेर टीला में दर्शन करेंगे और सरयू घाट पर आरती में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु मजिस्ट्रेटों व कार्मिकों की ड्युटी लगायी गयी है। ड्युटी स्थलों में महर्षि बाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट अयोध्या, वीवीआईपी फ्लीट, एयरपोर्ट पर स्थापित ग्रीन रूम, सेफ हाउस, हनुमानगढ़ी मंदिर, सरयू आरती स्थल, सरयू अतिथिगृह, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, कुबेर टीला, स्वीस कॉटेज-1 (श्रीराम जन्मभूमि परिसर) आदि स्थलों पर लगायी गयी है। जिला मजिस्ट्रेट नितीश कुमार ने बताया कि अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर व अपर पुलिस अधीक्षक नगर सम्पूर्ण कार्यक्रम एवं नगरीय क्षेत्र तथा अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, ग्रामीण क्षेत्रों की कानून व्यवस्था, शांति एवं सुरक्षा के प्रभारी होंगे।

परिवार की पांचों सीट हारेगी सपा, नहीं खुलेगा खाता : योगी आदित्यनाथ'

लखीमपुर खीरी में मुख्यमंत्री योगी ने चुनावी जनसभा को किया संबोधित'

लखीमपुर खीरी/लखनऊ (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में यूपी में सपा का खाता भी नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया के परिवार की पांचों सीटों पर हार सुनिश्चित है। मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को गोला में खीरी लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पार्टी प्रत्याशी अजय मिश्रा टेनी के लिए वोट की अपील की। मुख्यमंत्री ने बाबा गोला गोकर्णनाथ की पावन धरा को नमन करते हुए महाराणा प्रताप की पावन जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के तीन चरण पूरे हो चुके हैं। देश में एक ही स्वर गूंज रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा के लोग कह रहे हैं कि राममंदिर का निर्माण अनावश्यक हुआ है। चुनाव जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है दो चीजें साफ हो गई हैं। एक तरफ भारत के विकास, गरीब कल्याण के लिए योजनाओं का लाभ देने वाले रामभक्त हैं। दूसरी तरफ भारत की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का अपमान करने वाले, आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले रामद्रोही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा देश को बांटने की साजिश रच रही है। एक तरफ कांग्रेस के कार्यकाल में जहां देश की सीमाएं असुरक्षित थीं, आतंकवाद और नक्सलवाद चरम पर थे वहीं दूसरी तरफ सपा रामभक्तों पर गोलियां चलवाती थी और आतंकियों के केस वापस लेती थी। मगर इस बार पूरे देश में एक ही स्वर गूंज रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे अयोध्या नई अयोध्या बन गई है। काशी विश्वनाथ धाम जगमगा रहा है। ऐसे ही छोटी काशी को भी हम लोग उसी सुंदरीकरण के साथ जोड़ने का काम करने जा रहे हैं।

पीओके भारत का हिस्सा, विदेश मंत्री जयशंकर बोले- सभी दल भी गुलाम कश्मीर की वापसी के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि गुलाम कश्मीर (पीओके) भारत का हिस्सा है और देश की हर राजनीतिक पार्टी उसकी वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह वास्तव में हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता है। विदेश मंत्री जयशंकर बुधवार को गार्गी कालेज में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों ने मान लिया था कि अनुच्छेद 370 को बदला नहीं जा सकता, लेकिन भाजपा सरकार ने अगस्त, 2019 में उसे निरस्त कर दिया।

जयशंकर ने कहा कि आज देशवासियों के मन में गुलाम कश्मीर का मुद्दा भी आ गया है। यदि आपके विचारों में आ गया है तो बाकी चीजें निश्चित रूप से किसी न किसी बिंदु पर पूरी होंगी। जयशंकर ने आगे कहा कि गुलाम कश्मीर में बिगड़ती आर्थिक स्थिति को लेकर राजनीतिक और मानवाधिकार संगठनों ने लंबा मार्च निकाला है। साथ ही 11 मई को पीओके के मुजफ्फराबाद में धरने का आह्वान किया है।

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) और ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने संयुक्त बयान में घोषणा की है कि गंभीर बेरोजगारी, गेहूं और आटे पर सब्सिडी रद करने सहित अन्य मुद्दों को उठाया जाएगा।

नए सत्र से न्योता भोजन योजना बनेगी और अधिक प्रभावी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 21 फरवरी को ग्राम बगिया के बालक आश्रम से किया है योजना का शुभारंभ

बीते ढ़ाई माह में 17 हजार से अधिक न्योता भोजन के कार्यक्रम किये गए हैं आयोजित

स्कूलों के 11 लाख से अधिक बच्चे हुए लाभान्वित

फाईल फोटो

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में बेहतर शिक्षा के साथ बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई न्योता भोजन योजना को आगामी शैक्षणिक सत्र से और अधिक प्रभावी बनाने के लिये सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को वार्षिक कैलेण्डर बनाने निर्देश दिए गए हैं, जिससे सभी शालाओं में बच्चों को माह में कम से कम 2 बार न्योता भोजन का लाभ मिल सके। इस योजना के माध्यम से बच्चों को पौष्टिक भोजन मिलने के साथ-साथ स्थानीय समुदाय की योजना में सहभागिता भी बढ़ेगी।

योजना में बच्चों को सामुदायिक भागीदारी से उपलब्ध कराया जाता है पौष्टिक भोजन

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 21 फरवरी 2024 को अपना जन्म दिवस जशपुर जिला स्थित अपने गृह ग्राम बगिया में बालक आश्रम में बच्चों के बीच मनाते हुये बच्चों के साथ भोजन कर न्योता भोजन की शुरूआत की है। योजना के प्रारम्भ होने के पश्चात राज्य में अनेक जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों के द्वारा राज्य की शालाओं में न्योता भोजन का आयोजन किया जा रहा है। अब तक राज्य में 17 हजार से अधिक न्योता भोजन का आयोजन किया जा चुका है जिसमें 11 लाख से अधिक बच्चे लाभांवित हुये है।

न्योता भोजन की अवधारणा भारत सरकार की प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तिथि भोजन कार्यक्रम पर केन्द्रित है। यह योजना सामुदायिक भागीदारी, विभिन्न त्यौहारों या अवसरों जैसे वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर बड़ी संख्या में लोगों को भोजन प्रदान करने की भारतीय परम्परा पर आधारित है। छत्तीसगढ़ में भोजन हेतु आमंत्रित करने को न्योता कहा जाता है। इसी आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य में तिथि भोजन को न्योता भोजन के नाम से लागू किया गया है।

यह योजना पूरी तरह स्वैच्छिक है। समुदाय के लोग अथवा कोई भी सामाजिक संगठन या तो पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं या अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में मिठाई, नमकीन, फल या अंकुरित अनाज आदि के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकते हैं। न्योता भोजन शाला में दिये जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं है, बल्कि यह केवल शाला में प्रदान किये जाने वाले भोजन का पूरक है। समुदाय के सदस्य किचन सामग्री जैसे भोजन पकाने के पात्र, बच्चों के खाने के प्लेट, थाली, गिलास तथा किचन के लिये गैस सिलेण्डर एवं चूल्हा भी उपलब्ध करा सकते हैं।

नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने श्रीमती नीलू वर्मा को सौंपा 15 लाख रूपए का चेक

लोकसभा चुनाव ड्यूटी में तैनात स्वर्गीय श्री अजय वर्मा के निधन के बाद निर्वाचन आयोग ने दिया अनुग्रह प्रतिकर राशि

रायपुर (विश्व परिवार)। लोकसभा निर्वाचन 2024 की ड्यूटी में लगे श्री अजय वर्मा का 06मई को निधन होने के तुरंत बाद ही निर्वाचन के 48 घंटे के भीतर 15 लाख रूपए का अनुग्रह प्रतिकर राशि जारी किया। आज कलेक्टर डॉ सिंह के निर्देश पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा और उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर बंदे स्वर्गीय श्री अजय वर्मा के डगनिया स्थित निवास पहुंचे और उनकी पत्नी श्रीमती नीलू वर्मा को 15 लाख रूपए का चेक सौंपा। स्वर्गीय श्री अजय वर्मा नगर निगम के जनसंपर्क शाखा में कार्यरत थे।

संक्षिप्त समाचार

कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने राज्यपाल को संजीवनी धान के संबंध में जानकारी दी

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने सौजन्य मुलाकात कर उन्हे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित धान की नवीन प्रजाति संजीवनी धान के बारे में जानकारी दी। डॉ चंदेल ने राज्यपाल को बताया की भाभा एटॉमिक रिसर्च इंस्टीटयूट मुंबई के सहयोग से कृषि विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ की औषधीय गुणों वाली परंपरागत किस्मों से संजीवनी धान का विकास किया गया है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है तथा इसमें एन्टी कैंसर गुण पाये गये हैं। राज्यपाल श्री हरचिंदन ने इस उपलब्धि के लिये कुलपति डॉ चंदेल तथा उनके वैज्ञानिकों को बधाई और शुभकामनायें दी। श्री हरिचंदन ने कहा की संजीवनी धान का ज्यादा मात्रा में उत्पादन किया जाये तथा अधिक से अधिक लोगों तक इसे पहुंचाया जाए जिससे इसका लाभ अधिक लोगों को मिल सके।

रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती मनाई गई

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्रपति शिवाजी किड्स स्कूल रावतपुरा कॉलोनी में 08 मई 2024 को रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती मनाया गया।

कमिश्नर डॉ. संजय अलग ने किया नये बन रहे संभागायुक्त कार्यालय का निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। कमिश्नर डॉ. संजय अलग ने आज कोनी में बन रहे नये संभागायुक्त कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाकर इस साल के अंत तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। धीमी निर्माण प्रगति पर नाराजगी भी जाहिर की। लगभग सवा दो एकड़ भूमि कार्यालय भवन के लिए आवंटित किया गया है। बेसमेन्ट सहित दो मंजिला भवन पीडब्ल्यू डी विभाग द्वारा बनाया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा इसके लिए लगभग 12 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। अब तक बेसमेन्ट का कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रथम मंजिल का निर्माण कार्य जारी है।

डॉ. संजय अलंग ने सूक्ष्मता से भवन के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया और कुछ सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदार एवं अधिकारियों को गुणवत्ता एवं समय-सीमा का ध्यान रखने की हिदायत दी। उन्होंने भवन के सामने सुन्दर गार्डन निर्माण के प्रस्ताव भी तैयार करने के निर्देश उद्यान विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने काम कर रहे मजदूरों से भी चर्चा कर उनका हालचाल जाना। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता वाईएस गोपाल, ईई सीके पाण्डेय, डिप्टी कमिश्नर अर्चना मिश्रा सहित पीडब्ल्यू विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

ब्रह्माकुमारीज समर कैम्प : योगासन हमें स्वस्थ और अनुशासित बनाता है : योग शिक्षिका ज्योति साहू

रायपुर (विश्व परिवार)। योग शिक्षका श्रीमती ज्योति साहू ने कहा कि योग में हम श्वांसों के आवागमन पर अपने ध्यान को केन्द्रित करते हैं। यह श्वांसों पर नियंत्रण की कला है। श्वांस लेने का भी सही तरीका मालूम होना आवश्यक है। जब हम श्वांस लेते हैं तो हमारा पेट बाहर निकलना चाहिए और श्वांस छोड़ने पर अन्दर जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो आप बीमारियों का शिकार हो सकते हैं।

योग शिक्षिका श्रीमती ज्योति साहू प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विश्व शान्ति भवन चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प में जीवन में योगासनों का महत्व विषय पर बोल रही थीं। उन्होंने बच्चों को विभिन्न योगासनों से होने वाले लाभ से परिचित कराया। उन्होंने बतलाया कि ताड़ासन में जब बैठें तो अंगूठा और एड़ी में बराबर दूरी होनी चाहिए। यह उँचाई बढ़ाने में मदद करता है। यह खून के प्रवाह को तेज करता है और शरीर का सन्तुलन भी बनाता है। शशांक आसन से सूर्य नाड़ी और चन्द्र नाड़ी एक्टिव होती है। जिससे डिप्रेसन कम होता है। रक्त का प्रवाह अच्छा होता है और आज्ञा चक्र सक्रिय होता है। इसी प्रकार वृक्षासन हमारी एकाग्रता को बढ़ाता है।

उन्होंने ताली बजाने से होने वाले लाभ की चर्चा करते हुए कहा कि जब हम ताली बजाते हैं तो यह हमारे कोलस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है। उन्होंने बतलाया कि योग में या पढ़ाई करते समय हमें सीधा बैठना चाहिए। अगर हम सीधा नहीं बैठते हैं तो हमारी रीढ़ की हड्डी टेढ़ी हो जाती है जिससे हमें श्वांस लेने में कठिनाई होती है। भोजन करने के उपरान्त हमें कम से कम दो मिनट वज्राशन में जरूर बैठना चाहिए। यह हमारे भोजन को पचाने में मदद करता है।

शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने पर कलेक्टर ने किया आभार व्यक्त

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री के.एल. चौहान ने जिले में शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न मतदान संपन्न होने पर मतदान कार्य संपन्न कराने वाले सभी अधिकारियों-कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों सहित मीडिया प्रतिनिधियो एवं जिले के नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि बड़ी संख्या में मतदान कराने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ मतदान सुचारू रूप से संपन्न कराने में अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का भली-भांति निर्वहन किया। सुरक्षा कर्मियों द्वारा सुरक्षा जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया गया। मीडिया प्रतिनिधियों का सक्रिय सहोयग रहा। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तथा निर्वाचन सम्बन्धी जानकारियां को जनता तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका रही। नागरिकों ने पूरे सहयोग के साथ निर्वाचन व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए उत्साह के साथ मतदान में हिस्सा लेकर मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी आस्था व्यक्त की।नए मतदाताओं ने भी पहले बार मताधिकार का प्रयोग करने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वहीं महिलाओं की सक्रिय सहभागिता रही। वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों ने भी उत्साह से मतदान किया। स्काउट-गाईड, एनसीसी एवं एनएसएस के छात्रों द्वारा मतदान सहभागिता निभाई, जो सराहनीय रहा। मतदान दलों को लाने-ले जाने के अन्य कार्यों में लगे वाहन चालकों के सहयोग के बिना यह निर्वाचन कार्य भली-भांति संपादित नहीं हो पाता, वाहन चालकों के पूर्ण समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठ होने के फलस्वरूप यह कार्य संपादित हुआ है, इसके लिए सभी वाहन चालक बधाई के पात्र हैं। इसके अलावा स्वसहायता समूह, चेंबर ऑफ कॉमर्स, सामाजिक संगठनों सहित अन्य सभी संस्थाओं ने अपनी भूमिका अदा की है और उनका कार्य सराहनीय रहा है।

प्रदेश में आज भी बदली-बारिश के आसार

रायपुर (आरएनएस)। आज भीषण गर्मी के बीच बारिश की संभावना बनी हुई है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई इलाकों में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। साथ ही बारिश की संभावना बनी हुई है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। साथ ही बारिश की संभावना भी बनी हुई है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि समुद्र तल से नमी हवाओं का आगमन होने से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आगामी दो दिनों तक प्रदेश के एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात और अंधड़ चलने की संभावना है। इससे प्रदेश में दो से तीन डिग्री तक अधिकतम तापमान में गिरावट होने की भी संभावना है। डोंगरगड़ का अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान डोंगरगढ़ का रहा, एआरजी डोंगरगड़ का अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. मौसम विभाग का कहना है कि 10 मई के बाद फिर से मौसम का मिजाज बदलेगा और तापमान बढ़ने के साथ ही गर्मी भी बढ़ेगी।

एंबुलेंस चालक द्वारा टिफिन देना भावुक कर गया, सायकल यात्री इंद्रसेन का सम्मान व यात्रा वृत्तांत

रायपुर (विश्व परिवार)। सुनहरी यादें संस्था द्वारा ''दास्तान-ए-सायकल यात्रा एवं सम्मान समारोह'' का आयोजन रामसागर पारा स्थित होटल अलोहा आई स्टे में किया गया। कार्यक्रम संयोजक मुकेश शाह व हरमेल सिंह ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के सायक्लिस्ट 55 वर्षीय इन्द्रसेन अग्रवाल का सम्मान व यात्रा संस्मरण सुनना था,जिन्होंने विगत माह फरवरी से मार्च में 37 दिनों में लगभग 3800 किलोमीटर की सायकल यात्रा की। यात्रा कन्याकुमारी से 16 फरवरी को प्रारंभ कर 23 मार्च को कश्मीर के लाल चौक पर सम्पन्न किय। सबसे पहले अतिथि अनिल जैन,उमेश राठी, विवेक खंडेलवाल, इन्द्रसेन अग्रवाल, मुकेश शाह,हरमेल सिंह के करकमलों से दीप प्रज्वलित कर किया गया ऋषि गुप्ता द्वारा इन्द्रसेन अग्रवाल का जीवन परिचय संस्था को बताया गया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में इन्द्रसेन अग्रवाल को बधाई व शुभकामनाएं प्रदान की। पश्चात् इन्द्रसेन अग्रवाल ने अपने यात्रा संस्मरण के अन्तर्गत बताया कि वे इस 37 दिनों की सायकल यात्रा के मुख्य उद्देश्य ''रक्तदान के प्रतिजागरूकता'' हेतु भारत के दक्षिण से लेकर उत्तर अर्थात कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक देश के लोगों के रक्तदान के फायदे बताकर रक्तदान के प्रति जागरूकता हेतु अपना पूरा प्रयास किया।

इस तारतम्य में उन्होंने आगे बताया कि चूंकि यह यात्रा उनके अकेले की थी, तो कई बार परेशानियों का सामना भी करना पड़ा। रात होने पर पैट्रोल पम्प और ढाबे में रूकना, सायकल पंचर हो जाने, बिगड़ने पर वे स्वयं ही ठीक करना होता था। घने जंगल से होकर अकेले गुजरना मन में डर भी पैदा कर देता था। उन्होंने याद करते हुए बताया कि दक्षिण भारत में एक एम्बुलेंस ड्रायवर द्वारा खाने हेतु उन्हें टिफिन देना भावुकता वाला पल था।

दक्षिण में एक जगह छत्तीसगढ़ के भाई लोग सड़क पर काले बॉस का बेरीकेट लगा रहे थे। मैंने उनसे पूछा तो उसमें से एक व्यक्ति ने छत्तीसगढ़ी में बात करी मुझे बहुत अच्छा लगा कि यह तो हमारे छत्तीसगढ़ के बंधु है।

नागपुर का रास्ता इस ट्रिप का आधा रास्ता हो गया, नागपुर में सायकल मेयर डॉ. अमित समर्थ से मिलना सौभाग्य की बात है। नागपुर राईडर्स के साथ राइड करते-करते हम नागपुर के जीरो माइल पर ही पहुंचे। जीरो माइल के बारे में बताते हैं कि वह भारत का सेंटर पाइंट है। दिल्ली इंडिया गेट पर पहुंचना सायकल सवारों के लिए हौसले का काम करता है। जब दिल्ली पहुंचे तो बारिश ने स्वागत किया। इंडिया गेट पर अनेक लोगों से रक्तदान जागरूकता के बारे में बात की, रक्तदान की महत्ता को समझाने का प्रयास किया।

पठानकोठ से जब लखनपुर के रास्ते जम्मू की ओर आगे बढ़े तो फोन का बन्द होना एकदम से आश्चर्य चकित कर गया। फिर पता चला कि यहां पर प्रीपेड सिम काम नहीं करते, तो वहीं पर पोस्टपेड सिम लेना पड़ा, तब जाकर घरवालों से बात हो पायी। लखनपुर जो कि गेटवे ऑफ जम्मू है, वहां पर महाराजा गुलाब राय जी की स्टेचू लगी हुई है याद के तौर पर दो-चार फोटो निकाल लिए फिर आगे चले। जम्मू टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष आर.एस. मेहता ने फ्लैग ऑफ कर हमें जम्मू से विदाई दी। 23 मार्च को कश्मीर के श्रीनगर लाल चौक पहुंचने पर शरीर रोमांचित हो उठा, सभी परिजनों की शुभकामनों से यह यात्रा 37 दिनों में सम्पन्न हो गयी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./11291/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 09-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11291
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR220D00071** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MR. KANHAIYA LAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHAVNA DAS MANTANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री जसवंत कुमार आहूजा पिता- श्री रमेश आहूजा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. श्रीमती कुसुम आहूजा पति- श्री जसवंत कुमार आहूजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./11292/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 09-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11292
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR220D0071A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MR. KANHAIYA LAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHAVNA DAS MANTANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री राकेश मत्थानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- श्री कन्हैयालाल मत्थानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./11311/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 09-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11311
वार्ड का नाम- 14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 14 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR221A00402** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GEETA CHAUHAN W/O JAYANTI LAL, HITESH KUMAR, SATISH KUMAR S/O LATE. JAYANTI LAL CHAUHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती मुक्ता बेन चौहान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति- श्री पर्वत लाल चौहान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./11289/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 09-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11289
वार्ड का नाम- 36 - हवलदार अब्दूल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 36 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR436G00140** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **FAIMUNNISHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AHAMAD HUSSAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती फैमुननिशा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति- श्री अहमद हुसैन** मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सामान्य आवास योजनांतर्गत फेस-I, रायपुर में निर्मित **एम.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-215, ब्लॉक क्रमांक-09, षष्ठम तल (जी+6), श्री मोनिष चन्द्र कौशिक, पिता स्व. श्री एन.सी. कौशिक,** निवासी- म.नं.-11, ढेबर पिंक सिटी, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर आवासीय भू-खण्ड/भवन/फ्लैट 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त भू-खण्ड/भवन/फ्लैट को **फ्री-होल्ड** के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका **फ्री-होल्ड** सपरिवर्तन किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को भू-खण्ड/भवन/फ्लैट का **फ्री-होल्ड** किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./8622/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 8622
वार्ड का नाम- 3 - संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR803G00419** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BUDHIA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DANNU LAL HIRWANI GOGAON** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANTOSH HIRWANI, DINESH HIRWANI, RAMESH KUMAR HIRWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DANNU LAL HIRWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्रं./11204/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 09-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11204
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652F00942** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAMLESH SONKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY SONKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANJAY SINGH** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LAXMAN SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्रं./11203/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 09-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11203
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652F01115** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ROHIT KUMAR SONKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE GHONDUL SONKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RESHMA VANWARI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O PURUSHOTTAM VANWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्रं./11290/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 09-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11290
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652G01014** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHEKH SULEMAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHEKH RAHMAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JEENAT BANO** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SULEMAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./10499/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 09-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10499
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR737D00235** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MOTILAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MATHURADAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री देवेन्द्र खातूजा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- स्व. श्री मोतीलाल खातूजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./10839/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 09-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10839
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR737C0071A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAMESH SHARMA S/O SHIVNATH SHARMA, MALTI SHARMA W/O LATE. MAHANT PRASAD SHARMA, BHUSHAN SHARMA S/O LATE. CHITESHWAR SHARMA, AJAY SHARMA S/O LATE. CHITESHWAR SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAM TAPESH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती मालती शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति- स्व. श्री महंत प्रसाद शर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./11232/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 09-05-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11232
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR737E00121** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **URMILA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री पवन कुमार सहिस** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- श्री रामसिंग सहिस** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, शुक्रवार 10 मई 2024

ईवीएम मशीनें कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखे गए

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए बल तैनात

बिलासपुर(विश्व परिवार)। लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों का भाग्य स्ट्रांग रूम में कैद हो गया है। कोनी स्थित गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में निर्मित स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनें सुरक्षित रखकर रूम को सील कर दिया गया है। कलेक्टर अवनीश शरण व एसपी रजनेश सिंह द्वारा चुनाव आयोग के प्रेक्षक अभय ए महाजन, प्रत्याशियों और राजनीतिक दल के पदाधिकारियों की मौजूदगी में सीलिंग की कार्रवाई पूर्ण की गई। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों की एक कंपनी दिन रात स्ट्रांग रूम एवं परिसर की सुरक्षा में तैनात की गई है। सीलिंग पूर्ण होने के बाद पूरा परिसर एसएसबी के आर्म्ड जवानों ने अपने कब्जे में ले लिया है।

मतगणना के दिन ही 04 जून को ये स्ट्रांग रूम खोला जाएगा। परिसर में पहुंचने के लिए तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था चेकिंग रखी गई है। राजनीतिक दल व प्रत्याशी भी स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त कर सकते है। रिटर्निंग अफसर द्वारा उन्हें फोटोयुक्त पास जारी किया जाएगा। लेकिन ये अपने पास लैपटॉप अथवा वाइफाई युक्त कोई डिवाइसेज नहीं रख पाएंगे। परिसर में हर तरह के गतिविधियों की रिकॉर्डिंग के लिए दर्जनों सीसीटीवी कैमरे फिट किए गए हैं। कुल मिलाकर इतनी तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था है कि परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। उल्लेखनीय है कि जिले की छह विधानसभा क्षेत्र जैसे कि बिलासपुर, बेलतरा, कोटा, तखतपुर, मस्तुरी और बिल्हा विधानसभा क्षेत्र की मतगणना एक साथ कोनी के इसी इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में होगी। सीलिंग के अवसर पर नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ आरपी चौहान, अपर कलेक्टर व उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवकुमार बनर्जी तथा संबंधित सहायक रिटर्निंग अफसर उपस्थित थे।

भाजपा नेता द्वारा आदर्श आचार संहिता का किया उलंघन

कोरबा(विश्व परिवार)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बद्री अग्रवाल द्वारा आदर्श आचार संहिता उलंघन का मामला सामने आया है। उक्त नेता द्वारा भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय को वोट देते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों के साथ शेयर किया गया। लोक सभा चुनाव में भाजपा नेताओं द्वारा आचार संहिता उल्लघन का दूसरा मामला जिले में सामने आया है। जहाँ पहले ही भाजपा प्रत्याशी सरोज पाण्डेय द्वारा धार्मिक कार्यक्रम के बैनर पर अपना फोटो लगाकर प्रचार करने की शिकायत पहले ही की जा चुकी है, वहीं मतदान के दिन उनकी पार्टी के युवा नेता बद्री अग्रवाल द्वारा मतदान करते हुए अपना वीडियो बना एक बार फिर नियमों को अंगूठा दिखाया गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में युवा नेता स्वयं नजर नहीं आ रहे, बल्कि वीडियो मतदान करते समय ईवीएम मशीन का है जिसमें भाजपा प्रत्याशी सरोज पाण्डेय को वोट दिया गया है। इस वीडियो के साथ यह दावा किया गया है कि यह बद्री अग्रवाल द्वारा मतदान का वीडियो है, उक्त वीडियो को भाजपा नेता ने फेसबुक, इंस्टाग्राम में पोस्ट किया है।

संक्षिप्त समाचार

स्कूटी सवार किशोर बस के पहिए के नीचे आया, मौत

बिलासपुर(विश्व परिवार)। शहर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार एक नाबालिग की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नाबालिग बस को रॉग साइड से ओवरटेक करने की कोशिश में गिर गया और बस की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। यह मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की शाम सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत करबला निवासी 13 वर्षीय रिजवान हसन स्कूटी से गांधी चौक की तरफ जा रहा था। वह तेज रफ्तार में सामने चल रही बस को रॉग साइड से ओवरटेक करने आगे बढ़ा और सामने सड़क किनारे चल रही एक महिला को अचानक देखकर उसने ब्रेक लगा दिया, जिससे उसका बैलेंस बिगड़ गया और नाबालिग सीधे बस के पिछले पहिये के नीचे आ गया। इस दुर्घटना में नाबालिग की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

नहर किनारे झाड़ियों में मिली सड़ी-गली लाश

बिलासपुर(विश्व परिवार)। बिलासपुर में नहर किनारे झाड़ियों के बीच एक अधेड़ की लाश मिली है। लाश पुरानी होने की वजह से कीड़े लग गए थे और बदबू फैल रही थी। आशंका है कि उसकी हत्या कर शव को झाड़ियों के बीच फेंक दिया गया होगा। पूरा मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है। मंगलवार को ग्राम भरारी स्थित जंगल में नहर किनारे एक लाश पड़ी थी। आसपास के लोगों को जब बदबू आई, तब इसका पता चला। लोगों ने शव को देखकर पुलिस को जानकारी दी। खबर मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मिली जानकारी के मुताबिक शव दो से तीन दिन पुराना है और उसमें कीड़े लगने लगे थे। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर उसकी पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। लोगों का कहना है कि मृतक आसपास के गांव का नहीं है। ऐसे में आशंका है कि उसकी हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के लिए झाड़ियों के बीच फेंक दिया गया होगा। मृतक की उम्र करीब 50 साल बताई जा रही है। पुलिस आसपास के थानों से गुम इंसान की जानकारी जुटाकर पहचान करने की कोशिश में जुट गई है।

तेज रफ्तार अंधड़ से कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित

कोरबा(विश्व परिवार)। मतदान दिवस को दोपहर बाद मौसम का रूख बदलने के साथ काफी तेज रफ्तार से आए अंधड़ ने जहां लोगों को डराया, वहीं अपने प्रभाव से समस्याएं भी पैदा कर दी। विद्युत लाइन के तार टूटने के कारण शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित हुई। मेंटनेंस अमले ने कई घंटे की मशक्कत के बाद ऐसे क्षेत्रों में बिजली बहाल की। शहरी इलाके में यह काम हो गया है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ा हिस्सा अभी भी अंधेरे में डूबा हुआ है। बिजली कंपनी इस बारे में जानकारी लेने के बाद कामकाज करने की बात कह रही है। दूसरी ओर कोरबा में एसईसीएल सहित कई रास्तों पर अंधड़ के असर से पेड़ों के टूटकर गिरने की घटनाएं हुई। इसमें संपत्ति को नुकसान पहुंचा। साथ ही रास्तों से आवाजाही भी बाधित हुई। क्षतिग्रस्त पेड़ों को हटाने का फिलहाल नहीं हुआ है।

विश्व रेडक्रॉस दिवस का हुआ आयोजन

रायगढ़(विश्व परिवार)। रेडक्रॉस के जनक सर हेनरी ड्यूनॉट के जन्म दिवस पर 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन कार्यालय भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा रायगढ़ में किया गया। कार्यक्रम के आरंभ डॉ.बी.के.चन्द्रवंशी सचिव/मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा रायगढ़ एवं डॉ.एच.एस. उरांव प्रभारी अधिकारी एवं उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सर हेनरी ड्यूनॉट एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना से किया गया। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित श्री संतोष अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक सदस्य रेडक्रॉस रायगढ़ द्वारा रेडक्रॉस रायगढ़ की मानव कल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। डॉ.उरांव ने रक्तदान शिविर, जिला दिव्यांगजन पुर्नवास का संचालन, आशा निकेतन वृद्धाश्रम का संचालन, नि:शुल्क ऑक्सीजन सिलेण्डर, व्हील चेयर, एअर बेड, वाटर बेड की आदि रेडक्रॉस द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी एवं सदस्यता अभियान पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर श्री मुकेश शर्मा प्रबंधक रेडक्रॉस मेडिकल स्टोर, डी.पी.एम.सुश्री रंजना पैंकरा, बायोमेडिकल इंजी. नीतिराज सिंह, श्री आर.के.दुबे, लेखापाल श्री गिरिजाशंकर प्रधान एवं चन्द्रमणी गुप्ता उपस्थित रहे।

केंद्री स्टेशन में बनेगी कोचिंग डिपो

कोरबा(विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल की ट्रेनों की साफ-सफाई और मरम्मत करने रेलवे ने केंद्री स्टेशन में कोचिंग डिपो बनाने की तैयारी की है। मंडल के अधिकारियों का कहना है कि राजधानी के मुख्य स्टेशन में मंडल की गाडियों को खड़ी करने और साफ-सफाई के लिए जगह नहीं है। वर्तमान में ट्रेनों का मरम्मत व रखरखाव दुर्ग और बिलासपुर डिपो में होता है। इसके अलावा मंडल की कुछ गाडियां दुर्ग से रायपुर आती हैं। मंडल में कोचिंग डिपो बनाने को लेकर लंबे समय से जगह की तलाश हो रही है। इसलिए केंद्री स्टेशन में

कोचिंग डिपो बनाने की तैयारी चल रही है। भविष्य में यहीं से मंडल की ट्रेन मुख्य स्टेशन के लिए रवाना होगी। नवा रायपुर के केंद्री में स्टेशन बनकर तैयार हो चुका है, जबकि अभनपुर और नया रायपुर व मुक्तांगन स्टेशन में कार्य जारी है। नवा रायपुर से धमतरी के बीच छोटी रेल लाइन पर बड़ी पटरी बिछाने का काम इन दिनों तेजी से चल रहा है। रेलवे मंडल के अधिकारियों के मुताबिक रायपुर स्टेशन से रवाना होने वाली गरीब रथ और सिकंदराबाद एक्सप्रेस रायपुर मंडल की ट्रेन है। वर्तमान में ट्रेन के रायपुर पहुंचते ही प्लेटफार्म में ही सफाई होती और पानी भरकर रवाना किया जाता है। कोचिंग डिपो बनाने के बाद मंडल की इन ट्रेनों की सफाई और बेहतर होने लगेगी।इसके अलावा केंद्री में डिपो बनने से मंडल की जो ट्रेन दुर्ग से रायपुर आती है, वह सीधे केंद्री स्टेशन जाएगी। दुर्ग से रायपुर आने में ट्रेनों को 45 मिनट का समय लगता है, जबकि केंद्री से रायपुर आने में 20 से 25 मिनट लगेगा।

कलेक्टर अजीत वसंत ने शांतिपूर्वक मतदान के लिए मतदाताओं का माना आभार

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत ने लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत जिले में शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं, अभ्यर्थियों, राजनैतिक दलों सहित मीडिया के प्रतिनिधियों और प्रेक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित कर उनके प्रति आभार जताया है। कलेक्टर ने आईटी कॉलेज परिसर से जारी अपने संदेश में कहा कि लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व मतदान के लिए जरुरी प्रशासनिक व्यवस्थाएं और सुरक्षा के साथ-साथ जनभागीदारी और सभी वर्गों के लोगों का सहयोग सबसे महत्वपूर्ण है। जिले में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रशासनिक तौर पर व्यवस्थाएं समय पर पूरी की गई। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासनिक तैयारियों और सुरक्षा के लिए जरुरी सभी इंतजाम करने जिला प्रशासन के अधिकारियों, कर्मचारियों ने जिम्मेदारी के साथ निष्ठापूर्वक कार्य किया। महिला अधिकारियों ने भी पुरुष अधिकारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मतदान की इस प्रक्रिया को निष्पक्ष-शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को इसके लिए अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने चुनाव जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सहयोग करने वाले शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, केंद्रीय सुरक्षा बलों, पुलिस,होमगार्ड सहित अन्य सभी व्यक्तियों जिनने सफलतापूर्वक और निष्पक्ष स्वतंत्र तथा शांतिपूर्ण चुनाव में अपना अमूल्य सहयोग दिया है, के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी के प्रति आभार जताया है।

सिमकेदा में ग्रामीणों की मेहनत पर पानी फेरा हाथियों के दल ने

कोरबा(विश्व परिवार)। वनमंडल कोरबा अंतर्गत कुदमुरा रेंज के सिमकेदा गांव में मौजूद 4 हाथियों के दल ने बीती रात धरमजयगढ़ क्षेत्र का रूख करते हुए उदा जंगल पहुंच गया। हाथियों ने जाने से पहले यहां 7 ग्रामीणों के खेतों में लगे धान की फसल को रौंद दिया जबकि कोरबा रेंज अंतर्गत कोरकोमा जंगल में घूम रहे 23 हाथियों का दल कमरन, छिंदकोना के रास्ते चचिया पहुंच गया है। हाथियों के इस दल ने भी रास्ते में कई किसानों की फसल को नुकसान पहुंचाया है। सिमकेदा में हाथियों द्वारा फसल रौंदे जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आज सुबह मौके पर पहुंचे और नुकसानी का आंकलन करने के साथ ही रिपोर्ट तैयार की। हाथियों के उत्पात से ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। जानकारी के अनुसार कोरबा वनमंडल में इन दिनों हाथी समस्या लगातार बनी हुई है। यहां बड़ी संख्या में हाथी मांड नदी पार कर कुदमुरा रेंज पहुंचते हैं और क्षेत्र में विचरण करने के साथ धान की फसल को रौंदने के बाद फिर वापस धरमजयगढ़ चले जाते हैं। यह सिलसिला काफी दिनों से चल रहा है जिससे क्षेत्र के ग्रामीण काफी परेशान हैं। वहीं वन विभाग भी हलाकान है। उसके अधिकारी व कर्मचारी हाथी समस्या को लेकर अलर्ट भी हैं। हाथियों के क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकार व कर्मचारी ग्रामीणों को सतर्क करने के साथ ही हाथियों की निगरानी में जुट जाते हैं।

कोरबा लोकसभा प्रत्याशी सरोज पांडेय ने मतदाताओं का जताया आभार

चुनाव के दौरान आप सभी से मिला स्नेह और समर्थन मेरे जीवन भर की पूंजीः सरोज पांडेय

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा लोकसभा की भाजपा प्रत्याशी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय ने मतदान के समापन के पश्चात कोरबा लोकसभा क्षेत्र की मतदाता एवं वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ता भाइयों बहनों का धन्यवाद ज्ञापित किया है। कोरबा लोकसभा प्रत्याशी

सुश्री सरोज पांडेय ने मतदान के दिन प्रातरू काल कोरबा में स्थित माता दुर्गा की पूजा अर्चना कर कोरबा शहर के विभिन्न बूथ में दौरा कार्यकर्ताओं से हाल-चाल जाना और वोटिंग के वर्तमान स्थिति के बारे में लगातार जानकारी लेती रही और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करती रही। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय ने कहा कि टिकट की घोषणा के पश्चात से ही कोरबा पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं सहित भारतीय जनता पार्टी एवं समस्त मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का असीम स्नेह एवं समर्थन प्राप्त हुआ उन्होंने रात दिन कठिन परिश्रम कर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान कराया और फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। सरोज पांडेय ने आगे कहा कि जनसंपर्क रैली एवं आम सभा के दौरान जनमानस से मिला स्नेह और समर्थन भी मेरी जीवन भर की कुंजी है मैं कोरबा लोकसभा क्षेत्र के समस्त मतदाता वरिष्ठ नेताओं पदाधिकारी में कार्यकर्ताओं का हृदय से साधुवाद ज्ञापित करती है

राष्ट्र सेविका समिति कोरबा विभाग का प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

कोरबा(विश्व परिवार)। राष्ट्र सेविका समिति कोरबा विभाग का 5 दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण वर्ग अरदा बांकीमोंगरा में संपन्न हुआ। जिसमें जिला कोरबा, जांजगीर-चांपा एवं शक्ति की 189 सेविकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में 6 शिक्षिकाओं की मुख्य सहभागिता रही। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति के अनुरूप दिनचर्या का पालन करते हुए सेविकाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के विभिन्न कार्यक्रम कराये गये। जिसमें मातृशक्ति को दण्ड एवं यष्ठी के अभ्यास, योगा, आदि का शारीरिक प्रशिक्षण कराया गया एवं विभिन्न विषयों पर प्रतिदिन विभिन्न वक्ताओं के द्वारा बौद्धिक का विषय रखा गया। राष्ट्र सेविका समिति कोरबा- विभाग का यह प्रशिक्षण वर्ग 1 मई को प्रारंभ हुआ। जिसका समापन 5 मई को हुआ। इस वर्ग में वर्गाधिकारी राष्ट्र

सेविका समिति की प्रांत सह सेवा प्रमुख मंजू अजय दुबे थीं। जबकि वर्ग कार्यवाहिका सरस्वती गबेल एवं बौद्धिक विभाग की प्रमुख भगवती पाल थीं। उद्घाटन सत्र में बांकीमोंगरा के समाजसेवी प्रमोद अग्रवाल मुख्य अतिथि थे। जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में मातृशक्ति की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे ऐसे पुण्य कार्य के लिए सदैव खड़े रहेंगे। जबकि समापन सत्र के दिन डॉ. अंजू सिन्हा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने कहा कि वे सौभाग्य शाली हैं, जिन्हें ऐसे कार्यक्रम में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समापन सत्र में मुख्य वक्ता राष्ट्र सेविका समिति की सह प्रांत कार्यवाहिका अजिता गनोदवाले गोडवले थीं।

परशुराम जन्मोत्सव पर्व में शामिल हो सर्व विप्र समाज- रामचंद्र

रायगढ़(विश्व परिवार)। विप्र समाज के सबसे बड़े उत्सव भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए विप्र फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा ने सभी विप्र समाज से अपील की है। विप्र फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा ने बताया कि रायगढ़ में विप्र समाज की स्थानीय संस्था के माध्यम से हर वर्ष भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। इस वर्ष भी अक्षय तृतीया 10 मई शुक्रवार को शाम 4 बजे से भगवान परशुराम मंदिर से शोभायात्रा निकाली जाएगी जो पूरे शहर में भ्रमण करेगी। इस दौरान भक्त गणों के द्वारा जलपान और स्वागत की व्यवस्था भी की गई है। इस पावन अवसर पर विप्र फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा ने सम्पूर्ण विप्र समाज से अपील की है कि इस शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दें। और भगवान परशुराम जी के बताए आदर्शो पर चलकर देश सेवा करें।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शुक्रवार 10 मई 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

अंतिम फैसला तो जनता के हाथ में

सर्वोच्च अदालत ने लोक सभा चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सवाल किया और जांच एजेंसी से इसका जवाब मांगा। अदालत ने पांच सवाल पूछे और उनके जवाब लेकर आने का निर्देश दिया। दो सदस्यीय बेंच ने कहा कि स्वतंत्रता बहुत महत्त्वपूर्ण है। आखिरी सवाल गिरफ्तारी के संबंध में है। न्यायिक कार्यवाही के बिना, जो कुछ हुआ उसके संदर्भ में कार्यवाही कर सकते हैं। अदालत ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के लिए कहा कि पक्ष और विपक्ष में निष्कर्ष हैं। हमें बताएं कि केजरीवाल का मामला कहां है। क्या हम सीमा को बहुत विस्तृत बनाते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि जो व्यक्ति दोषी है, उसका पता लगाने के लिए मानक समान हों। केजरीवाल 21 मार्च से शराब नीति घोटाले के मामले में न्यायिक हिरासत के तहत दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। केजरीवाल इस गिरफ्तारी से पहले ही सार्वजनिक तौर पर कई मर्तबा दोहरा चुके थे कि मोदी सरकार लोक सभा चुनाव के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर सकती है। दिल्ली सरकार के नेता पहले ही जेल में हैं। माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता विभिन्न राजनैतिक दलों के लिए चुनौती बनती जा रही है। सत्ताधारी दल की यह जिम्मेदारी है कि वह अन्य विपक्षी दलों के साथ पूर्वाग्रह भरा बर्ताव करने से बचे। दंड प्रक्रिया संहिता के अध्याय 5 में स्पष्ट प्रावधान है, कोई भी गिरफ्तारी इसके अधीन ही होनी चाहिए। केजरीवाल अपनी गिरफ्तारी और हिरासत को अवैध बता रहे हैं।यह कहना गलत नहीं है कि चुनाव के दरम्यान लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं तथा नोटिस भी थमाए जा रहे हैं या छापे तक डाले जा रहे हैं। दरअसल, केजरीवाल की गिरफ्तारी की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जिनके उत्तर मिलने चाहिए। यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती।बेशक, न्यायिक व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। सार्वजनिक जीवन में रहने वाला कोई भी राजनीतिज्ञ यदि किसी तरह के घोटाले में शामिल है तो उसे दंडित करने के लिए अदालतें हैं। अदालतोंपर पहले ही लंबित मामलों का दबाव है।

विशेष लेख

चुनाव में ध्रुवीकरण

मुस्लिम आरक्षण इस चुनाव में एक बड़ा मुद्दा बन गया है।। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित पूरी भाजपा कांग्रेस पर आरोप लगा रही है कि वह अनुसूचित जाति-जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण हटाकर मुसलमान को देना चाहती है। कांग्रेस सहित समूचा विपक्ष और भाजपा विरोधी कह रहे हैं कि मोदी और भाजपा देश में हिन्दू मुस्लिम के नाम पर चुनाव में ध्रुवीकरण चाहते हैं, जो सरेआम सांप्रदायिककरण है। अगर चुनाव में किसी संप्रदाय पर हमला किया जाए या उसके विरुद्ध दूसरे संप्रदाय को भड़काया जाए तो यह सांप्रदायिकता की श्रेणी में आएगा और इसके लिए चुनाव कानून ही नहीं सामान्य कानूनों में भी मुकदमा चलाने तथा सजा देने का प्रावधान है। प्रश्न है कि क्या प्रधानमंत्री ने जो आरोप लगाया उसे चुनाव को सांप्रदायिक रंग देने का षड्यंत्र मान लिया जाए या उसके पीछे तथ्य भी हैं? कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता प्रधानमंत्री पर हमले कर रहे हैं किंतु यह कहने को तैयार नहीं है कि वह मुसलमानों को आरक्षण देने के पक्ष में नहीं है। कांग्रेस यह भी स्पष्ट नहीं करती कि वह धर्म के आधार पर आरक्षण के विरु द्ध है। कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में आरक्षण की सीमा बढ़ाने का वचन देते हुए यह सुनिश्चित करने की घोषणा करती है कि अल्पसंख्यकों को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सार्वजनिक रोजगार, सार्वजनिक कार्य अनुबंध, कौशल विकास, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में बिना किसी भेदभाव के अवसरों का उचित हिस्सा मिले तो इसलिए मंशा पर प्रश्न उठता है क्योंकि इसकी पृष्ठभूमि है। कांग्रेस सरकारों ने पहले भी मुसलमानों को आरक्षण देने की पहल की है। चूंकि धर्म के आधार पर आरक्षण मान्य नहीं था, इसलिए अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण में से ही कर्नाटक में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण दिया गया। केंद्र में यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान आंध्र प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने मुसलमानों को आरक्षण देने का कानून बना दिया। यह विषय सर्वोच्च अदालत तक गया। आज भी अनुसूचित जनजाति से धर्म परिवर्तन कर मुसलमान या ईसाई बनने वालों को आरक्षण का लाभ मिलता है। वे अल्पसंख्यक होने का भी लाभ पाते हैं और अनुसूचित जनजाति का भी। कांग्रेस यह तो कह रही है कि इसमें मुस्लिम शब्द कहीं नहीं है पर अल्पसंख्यक का अर्थ क्या है? प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 9 दिसम्बर 2006 को राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक के भाषण में कहा कि 'मेरा मानना है कि हमारी सामूहिक प्राथमिकताएं कृषि, सिंचाई, जल संसाधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ ही एससी/एसटी, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और बच्चों का उत्थान है। हमें ऐसी नई योजनाएं बनानी होंगी, जिनसे अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिमों को विकास में समान भागीदारी मिल सके। देश के संसाधनों पर उनका पहला हक होना चाहिए।' 2014 लोक सभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने से ठीक एक दिन पहले मनमोहन सरकार ने 5 मार्च 2014 को दिल्ली की 123 प्रमुख संपत्तियों को दिल्ली वक्फ बोर्ड के हवाले कर दिया। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने 27 फरवरी, 2014 को राष्ट्रीय राजधानी में इन प्रमुख संपत्तियों पर दावा किया था। अनेक उदाहरण मिलेंगे जिनसे साबित होगा कि मनमोहन सरकार ऐसी मुस्लिम संस्थाओं, संगठनों और व्यक्तियों के पूरी तरह प्रभाव में था। यह आदेश सरकार ने उचित मुआवजे का अधिकार और भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2013 के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया। तो क्या यह संशोधित अधिनियम ऐसे ही कार्यों को ध्यान में रखते हुए पारित हुआ था? नरेन्द्र मोदी सरकार के आने के बाद इन संपत्तियों को मुक्त कराया गया और उसके लिए भी न्यायालय में संघर्ष करना पड़ा। जिस तरह तेलंगाना एवं कर्नाटक में कांग्रेस को मुस्लिम समुदाय का वोट मिला उससे उसको लगता है कि ऐसी नीतियों पर आगे बढ़ने से उसका खोया जनाधार वापस आ सकता है। इसलिए राहुल गांधी और उनके नेतृत्व में पूरी कांग्रेस यह साबित करने में लगी है कि मुसलमान के हितों के प्रति वह पूरी तरह समर्पित है या उसके लिए किसी सीमा तक जाने को तैयार है। ध्यान रखिए, पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जाति व अनुसूचित जन जाति को आरक्षण पहले से प्राप्त है, नरेन्द्र मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 फीसद आरक्षण का प्रावधान कर दिया है। तो आप आरक्षण की सीमा को बढ़ाना किसके लिए चाहते हैं? अपने भाषणों और वक्तव्यों में राहुल गांधी सहित ज्यादातर नेता अनुसूचित जाति-जनजाति व पिछड़े वर्ग के साथ ही अल्पसंख्यकों और मुसलमानों के उत्थान की बात करते हैं। आखिर अनुसूचित जाति-जनजाति जाति और पिछड़े वर्ग के साथ मुसलमान को क्लब कैसे किया जा सकता है? मुसलमानों ने देश में लंबे समय तक शासन किया और इस कारण वे विशेषाधिकार वर्ग में आते हैं।

हमारी सांस्कृतिक अक्षुण्ण परंपरा से जोड़ती है अक्षय तृतीया दान देकर करें सार्थक.....

-डॉ0 सुनील जैन 'संचय'

भारतीय संस्कृति में पर्व, त्याहारों और व्रतों का अपना एक अलग महत्व है। ये हमें हमारी सांस्कृतिक परंपरा से जहां जोड़ते हैं वहीं हमारे आत्मकल्याण में भी कार्यकारी होते हैं। अक्षय तृतीया या आखा तीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किये जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है।यह तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्तो में मानी गई है। अक्षय तृतीया का दिन अपने आप में कई गाथाओं को समेंटे हुए है। यह दिन अन्य दिनों से बहुत खास रहता है।जैन परंपरा में भी इसका खास महत्त्व है। इस दिन जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव (आदिनाथ) ने राजा श्रेयांस के यहां इक्षु रस का आहार लिया था, जिस दिन तीर्थंकर ऋषभदेव का आहार हुआ था, उस दिन वैशाख शुक्ला तृतीया थी। उस दिन राजा श्रेयांस के यहां भोजन, अक्षीण (कभी खत्म न होने वाला) हो गया था। अत: आज भी लोग इसे अक्षय तृतीया कहते हैं। जैनधर्म के अनुसार इसी दिन से आहार दान की परम्परा शुरू हुई। ऐसी मान्यता है कि मुनि का आहार देने वाला इसी पर्याय से या तीसरी पर्याय से मोक्ष प्राप्त करता है। राजा श्रेयांस ने भगवान आदिनाथ को आहारदान देकर अक्षय पुण्य प्राप्त किया था, अत: यह तिथि अक्षय तृतीया के रूप में मानी जाती है। यह दिन बहुत ही शुभ होता है, इस दिन बिना मुर्हूत निकाले शुभ कार्य संपन्न होते हैं। जम्बूद्वीप के भरतक्षेत्र में विजयार्ध पर्वत से दक्षिण की ओर मध्य आर्यखण्ड में कुलकरों में अंतिम कुलकर नाभिराज हुए। उनके मरूदेवी नाम की पट्टरानी थी। रानी के गर्भ में जब जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव आये तब गर्भकल्याणक उत्सव देवों ने बड़े ठाठ से मनाया और जन्म होने पर जन्म कल्याणक मनाया। फिर दीक्षा कल्याणक होने के बाद ऋषभदेव ने छ:माह तक घोर तपस्या की। छ: माह के बाद चर्या (आहार) विधि के लिए ऋषभदेव भगवान ने अनेक ग्राम नगर शहर में विहार किया, किन्तु जनता व राजा लोगों को आहार की विधि मालूम न होने के कारण भगवान को धन, कन्या, पैसा, सवारी आदि अनेक वस्तु भेंट की। भगवान ने यह सब अंतराय का कारण जानकर पुन: वन में पहुंच छ:माह की तपश्चरण योग धारण कर लिया। अवधि पूर्ण होने के बाद पारणा करने के लिए चर्या मार्ग से ईर्यापथ शुद्धि करते हुए ग्राम, नगर में भ्रमण करते-करते कुरूजांगल नामक देश में पधारे। वहां हस्तिनापुर में कुरूवंश के शिरोमणि महाराज सोम राज्य करते थे। उनके श्रेयांस नाम का एक भाई था उसने सर्वार्थसिद्धि नामक स्थान से चयकर यहां जन्म लिया था। एक दिन रात्रि के समय सोते हुए उसे रात्रि के आखिरी भाग में कुछ स्वप्न आये। उन स्वप्नों में मंदिर, कल्पवृक्ष, सिंह, वृषभ, चंद्र, सूर्य, समुद्र, आग, मंगल द्रव्य यह अपने राजमहल के समक्ष स्थित हैं ऐसा उस स्वप्न में देखा तदनंतर प्रभात बेला में उठकर उक्त स्वप्न अपने जेष्ठ भ्राता से कहे, तब ज्येष्ठ भ्राता सोमप्रभ ने अपने विद्वान पुरोहित को बुलाकर स्वप्नों का फल पूछा। पुरोहित ने जबाव दिया- हे राजन! आपके घर श्री ऋषभदेव भगवान पारणा के लिए पधारेंगे, इससे सबको आनंद हुआ। इधर भगवान ऋषभदेव आहार (भोजन) हेतु ईर्या समितिपूर्वक भ्रमण करते हुए उस नगर के राजमहल के सामने पधारे तब सिद्धार्थ नाम का कल्पवृक्ष की मानो अपने सामने आया है, ऐसा सबको भास हुआ। राजा श्रेयांस को भगवान ऋषभदेव का श्रीमुख देखते ही उसी क्षण अपने पूर्वभव में श्रीमती वज्रसंघ की अवस्था में एक सरोवर के किनारे दो चारण मुनियों को आहार दिया था-उसका जाति स्मरण हो गया। अत: आहारदान की समस्त विधि जानकर श्री ऋषभदेव भगवान को तीन प्रदक्षिणा देकर पड़गाहन किया व भोजन गृह में ले गये। 'प्रथम दान विधि कर्ता' ऐसा वह दाता श्रेयांस राजा और उनकी धर्मपत्नी सुमतीदेवी व ज्येष्ठ बंधु सोमप्रभ राजा अपनी

लक्ष्मीपती आदि ने मिलकर श्री भगवान ऋषभदेव को सुवर्ण कलशों द्वारा तीन खण्डी (बंगाली तोल) इक्षुरस (गन्ना का रस) तो अंजुल में होकर निकल गया और दो खण्डी रस पेट में गया। इस प्रकार भगवान ऋषभदेव की आहारचर्या निरन्तराय संपन्न हुई। इस कारण उसी वक्त स्वर्ग के देवों ने अत्यंत हर्षित होकर पंचाश्चर्य (रत्नवृष्टि, गंधोदक वृष्टि, देव दुदभि, बाजों का बजना व जय-जयकार शब्द होना) वृष्टि हुई और सभी ने मिलकर अत्यंत प्रसन्नता मनाई। आहारचर्या करके वापस जाते हुए ऋषभदेव भगवान ने सब दाताओं को 'अक्षय दानस्तु' अर्थात् दान इसी प्रकार कायम रहे, इस आशय का आशीर्वाद दिया, यह आहार वैशाख सुदी तीज को सम्पन्न हुआ था। जब ऋषभदेव निरंतराय आहार करके वापस विहार कर गए उसी समय से अक्षय तीज नाम का पुण्य दिवस (जैनधर्म के अनुसार) का शुभारंभ हुआ। इसको आखा तीज भी कहते हैं। यह दिन हिन्दू धर्म में बहुत पवित्र माना जाता है। इस दिन अनबूझा मुर्हूत मानकर शादी, विवाह एवं मंगलकार्य प्रचुर मात्रा में होते हैं। जैनधर्म में दान का प्रवर्तन इसी तिथि से माना जाता है, क्योंकि इससे पूर्व दान की विधि किसी को मालूम नहीं थी। अत: अक्षय तृतीया के इस पावन पर्व को देश भर के जैन श्रद्धालु हर्षोल्लास व अपूर्व श्रद्धा भक्ति से मनाते हैं। इस दिन हस्तिनापुर में भी विशाल आयोजन किया जाता है। इस दिन व्रत, उपवास रखकर इस पर्व के प्रति अपनी प्रगाढ आस्था दिखाते हैं। शास्त्रों में बताया गया है कि अक्षय तृतीया के पावन दिन दान करने का बहुत अधिक महत्व होता है। इस तिथि पर दान करना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दान करने का कई गुना फल मिलता है। इस पर्व पर हमें अपनी उदारता दिखाने का अच्छा अवसर मिला है। किसी भूखे को भोजन, कपड़े, दवाई आदि की सहायता कर मददगार बनें। आप जहाँ रहते हैं वहां अपने साधर्मी भाई,आप अपने आसपास या जिस गाँव, नगर में रहते हैं वहां आप जरूरतमंद तक आप अपनी मदद जरूर पहुंचाएं।

अक्षय तृतीया व्रत, विधि एवं मंत्र:-

यह व्रत जैन परम्परा के अनुसार वैशाख सुदी तीज से प्रारम्भ होता है। उस दिन शुद्धतापूर्वक एकाशन करें या 2 उपवास या 3 एकाशन करें। इसकी विधि यह है कि व्रत की अवधि में प्रात: नैत्यिक क्रिया से निवृत्त होकर शुद्ध भावों से भगवान की दर्शन, स्तुति करें। नित्य नियम पूजा भगवान आदि तीर्थंकर (ऋषभदेव) की पूजा एवं पंचकल्याणक का मण्डल जी मंडवाकर मण्डल जी की पूजा करें। तीनों काल (प्रात:, मध्यान्ह, सांय) निम्नलिखित मंत्र जाप्य करें एवं सामायिक करें-

मंत्र ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री आदिनाथतीर्थंकराय नम: स्वाहा।

प्रात: सांय णमोकार मंत्र का शुद्धोच्चारण करते हुए जाप्य करें।

व्रत के समय में गृहादि समस्त क्रियाओं से दूर रहकर स्वाध्याय, भजन, कीर्तन आदि में समय यापन करें। व्रत अवधि में ब्रह्मचर्य से रहें। हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील और परिग्रह इन पांच पापों का अणुव्रत रूप से त्याग करें। क्रोध, मान, माया, लोभ कषायों को शमन करें। व्रत पूर्ण होने पर यथाशक्ति उद्यापन करें। मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका चतुर्विध संघ को चार प्रकार का दान देवें। इस प्रकार शुद्धतापूर्वक विधिवत रूप से व्रत करने से सर्व सुख की प्राप्ति होती है तथा साथ ही क्रम से अक्षय सुख अर्थात् मोक्ष की प्राप्ति होती है। आरोग्य जीवन बिताने के लिए भी यह उपयोगी है। संयम जीवनयापन करने के लिए इस प्रकार की धार्मिक क्रिया करने से मन को शान्त, विचारों में शुद्धता, धार्मिक प्रवृत्रियों में रुचि और कर्मों को काटने में सहयोग मिलता है। इसी कारण इस अक्षय तृतीया का जैन धर्म में विशेष धार्मिक महत्व समझा जाता है।

विपक्ष की एकता और राहुल की विश्वसनीयता

शकील अख्तर

यह कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि वह अपने सबसे विश्वसनीय, साहसी, अथकपरिश्रम करने वाले राहुल गांधी को वह साथ नहीं देती है जो उसे देना चाहिए। कांग्रेसियों को यह समझना चाहिए कि विपक्ष राहुल की विश्वसनीयता की वजह से ही एक गठबंधन में आने के लिए राज़ी हुआ। विपक्ष की एकता और राहुल की विश्वसनीयता इस चुनाव में सबसे बड़ी ताकत हैं। मोदी और हैटट्रिक के बीच बड़ी दीवार! यह चुनाव कांग्रेस हारे या जीते राहुल गांधी एक मजबूत नेता के तौर पर स्थापितहो गए हैं। अब यह सवाल खत्म हो गया कि राहुल राजनीति में रहेंगे या नहींया उन्हें रहना चाहिए या नहीं राहुल एक स्वाभाविक नेता की तरह पूरी ताकत से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।उन्हीं की मेहनत, हिम्मत, घुटने के असहनीय दर्द के बाद भी दो-दो भारतयात्राओं ने ही विपक्ष को जोड़ा। ममता बनर्जी जो बार बार छिटक रही थीं,बंगाल में कांग्रेस को सीट देने से इनकार कर दिया वे भी दिल्ली कीरामलीला मैदान की रैली में अपनी पार्टी के नेताओं को पहुंचाती हैं औरकहती हैं कि मैं इन्डिया गठबंधन के साथ हूं। यह सब किस की वजह से राहुल के बन गए प्रभामंडल की वजह से! कोई माने या न माने आज की तारीख में राहुल भारतीय राजनीति के ऐसे चेहरे बन गए हैं जिनके इर्द गिर्द यह पूरा चुनाव होने वाला है। भाजपा ने हजारों करोड़ रूपया राहुल की छवि खराब करने के लिए ऐसे ही नहीं लगाया! उन्हें राजनीति की समझ है। आज भी प्रधानमंत्री मोदी अगर बार बारवंशवाद की बात करते हैं तो ऐसे ही नहीं करते। वे जानते है कि राहुल गांधी ही एकमात्र ऐसे विरोधी नेता हैं जिनकी वजह से कांग्रेस एक बनी हुई है और जो विपक्ष को भी खींच कर एकजुट कर सकते हैं। और भाजपा, मोदी का आकलन सही निकला भी। अब विपक्षी एकता बन गई है। कल तक किसी को यकीन नहीं था। आज भी विश्वास नहींहोता था। मगर यह सच है। और दिल्ली के रामलीला मैदान की मीटिंग के बाद लगताहै कि विपक्ष मोदी के सामने दीवार बनकर खड़ा हो गया। यह मजबूत दीवार राहुल ने ही बनाई है। और इसे भेदना इस बार नरेंद्र मोदी के लिएमुश्किल हो रहा है। इसलिए मोदी बार बार अपने मुद्दे बदल रहे हैं। उनकेपुराने हिन्दु मुसलमान और उग्र राष्ट्रवाद के मुद्दे इस बार बिल्कुल नहींचल रहे। इसलिए वे कभी भ्रष्टाचार और कभी पांच साल, दस साल बीस साल बादक्या करूंगा, जैसी हवा-हवाई बाते कर रहे हैं। जबकि जनता इस समय राहुल केरोजगार, मंहगाई और लोकतंत्र बचाओ के मुद्दों को सुन रही है। यह ऐसे ही नहीं हुआ। राहुल ने इसके लिए कड़ी मेहनत की है। बहुत आलोचनासही है। कई बार उन्हें बुरी तरह खारिज कर दिया गया। मगर जैसे आग में तपकर सोना कुंदन हो जाता है वैसे ही राहुल हो गए। बीस साल कम नहीं होते। उनकी हर तरह की परिक्षाएं ली गईं। और यह काम तोखुद कांग्रेसियों ने किया। राहुल का विरोध उनके रास्ते में बाधाएं खड़ीकरना उनके खिलाफ अफवाहें फैलाकर उनका चरित्रहनन करना जितना भाजपा और संघपरिवार ने किया उससे कम कांग्रेसियों ने नहीं किया। आखिर 2019 में राहुलको कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना ही पड़ा था! और उस पर भीकांग्रेसियों को चैन नहीं आया तो जी 23 के नाम से एक गिरोह बनाकर उन्हेंकांग्रेस से ही बाहर करने का षडयंत्र रचा था। भाजपा करे। मोदी जी करें तो समझ में आता है। उन्हें लगता है कि जब तकराहुल या गांधी नेहरू परिवार का कोई सदस्य कांग्रेस में है कांग्रेस खतमनहीं होगी। लेकिन अगर गांधी नेहरू परिवार कांग्रेस से हट जाए या राजनीतिसे हट जाए तो कांग्रेस को वे गाजर मूली की तरह उखाड़ फेंकेंगे। उनको यह लगना सही भी है। परिवार का कोई सदस्य कांग्रेस में न रहने परकांग्रेस कितने टुकड़े हो जाएगी कहना मुश्किल है। और केवल कांग्रेस ही खत्म नहीं होगी विपक्ष की राजनीति भी छिन्न भिन्न हो जाएगी। देश में कोईदूसरा राष्ट्रीय दल नहीं होगा। राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी का अकेला साम्राज्य होगा। और मोदी जी चक्रवर्ती सम्राट! लगता है कांग्रेस को इसमें ज्यादा आपत्ति नहीं होगी। विपक्ष के दूसरे दलों को भी नहीं उन्हें अपने विस्तार की संभावनाएं दिखाई देंगी। थोड़ी भाजपा नेताओं को होगी क्योंकि मोदी को कोई चुनौती न होने के बाद उनका अस्तित्व और कमजोर हो जाएगा। अभी वैसे ही भाजपा का

चुनावी रण में नेतृत्व की परीक्षा

डा. देवेंद्र गुप्ता

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस अध्यक्षा प्रतिभा सिंह सरकार और संगठन में सब कुछ ठीक है, का आभास देते नजर आ रहे है। यह लेख लिखे जाने के वक्त कांगड़ा और हमीरपुर लोकसभा सीट पर काफी माथापच्ची के बाद क्रमश: आनंद शर्मा और सतपाल रायजादा को लोकसभा का प्रत्याशी घोषित कर ही दिया है। खैर, यह लेट लतीफी का कांग्रेसी कल्चर है जो खबरों में बना रहता है। सरकार को बने 15 महीने हो गए है। जमीनी हालात यह है कि जनता यह सब सोचने को मजबूर है कि विधान सभा के लिए क्या उपचुनाव राजनीतिक सूझबूझ से टाले नहीं जा सकते थे। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को उपचुनाव के मुद्दे पर जनता को उत्तर देना होगा। सरकार का मुखिया होने के नाते सुखविंदर सिंह सुक्खू और उनकी टीम को अपने 15 महीने के शासन के रिकॉर्ड पर जनता के बीच उतरना होगा अपनी सरकार को बचाने व संभाले रखने के लिए यह उपचुनाव जीतना अत्यंत आवश्यक है। भाजपा के विषय में तो यह प्रसिद्ध है कि वह चुनावी मूड में रहने वाली पार्टी है और प्रधानमंत्री मोदी को हर समय चुनावों में सबसे ज्यादा व्यस्त रहने वाले प्रधानमंत्री का तमगा प्राप्त है। प्रधानमंत्री के तौर पर वह कैसे हैं यह लेख का मंतव्य नहीं। उस पर फिर कभी। मुख्यमंत्री सुक्खू के सामने सबसे बड़ी चुनौती और प्राथमिकता विधान सभा उपचुनावों की छहों सीटों पर विजयी हासिल करना होगा। लोकसभा के चुनावों में चारों सीटें जीता कर हाई कमान की झोली में डाल कर वह उनके विश्वास को पुख्ता कर सकेंगे। उन के लिए यह एक अवसर आया है। इस जीत से वह हाई कमान के सामने और प्रदेश कांग्रेस संगठन में विरोधी होली लॉज कैंप के समक्ष नेतृत्व क्षमता साबित करेंगे। जनता का विश्वास और दिल जीतने में सफल हो सकते है। दूसरे, यह जीत इस बात की भी द्योतक होगी कि हाई कमान का सुक्खु को मुख्यमंत्री बनाना और प्रतिभा सिंह की सीएम पद की दावेदारी को नजर अंदाज करने का उनका निर्णय सही था। ऐसे वो कौन से कारण रहे जिनके चलते भली चंगी सरकार पर संकट के बादल मंडराए और उपचुनावों की नौबत झेलनी पड़ गई? याद करें तो एक राजनीतिक घटनाक्रम के चलते प्रदेश की एक मात्र राज्य सभा सीट के लिए चुनाव में भजपा के हाथों मानों छींका ही फूट पड़ा। अल्पमत की भाजपा बहुमत की कांग्रेस की जमीन तले कालीन खिसका कर राज्य सभा सीट का निवाला छीन ले गई। परिणाम यह रहा कि प्रख्यात वकील और कांग्रेस के प्रत्याशी मनु सिंघवी हार गए और कांग्रेस के पूर्व मंत्री रहे और भाजपा के प्रत्याशी हर्ष महाजन जीत गए। इस प्रकरण से सरकार विशेष कर मुख्यमंत्री के विरुद्ध सुलगते विरोध और आक्रोश से न केवल जनता अवाक रह गई, बल्कि सरकार सुक्खू और उनके चुनावी व संसदीय प्रबंधन को भी इस बात की भनक तक न लगी कि उनके छह विधायक और तीन निर्दलीय वोटिंग के अवसर पर अपनी ही पार्टी के विरुद्ध जाएंगे। इस प्रकरण ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की कार्य शैली और सरकार चलाने की क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए। प्रदेश की जनता यह भलीभांति जानती है कि सुक्खू को संगठन का आदमी कहा जाता है और संगठन के वह अच्छे जानकार है। जब तक वीरभद्र मुख्यमंत्री रहे उन्होंने उन्हें दो बार विधायक होने के बावजूद मंत्री या संसदीय सचिव या सरकार में किसी पद से नहीं नवाजा। 1983 में जब वीरभद्र मुख्यमंत्री बने, तब सुक्खू कालेज सी आर के चुनाव लड़ रहे थे। कालेज विश्वविद्यालय की राजनीति करते-करते विभिन्न पदों पर रहते हुए कांग्रेस के अध्यक्ष पद तक जा पहुंचे। पंडित सुखराम, विद्यास्टोक्स, आनंद शर्मा, कुलदीप राठौर और शिमला के पूर्व विधायक हरभजन सिंह भज्जी आदि से सुक्खू की करीबियां जग जाहिर थी। यही बात वीरभद्र को नागवार थीं। अंत समय तक इन दोनों में 36 का आंकड़ा रहा। कहते है संस्कृति की सत्ता होती है और सत्ता की संस्कृति भी जग जाहिर है। सत्ता की संस्कृति आपको चाटुकारों से घिरा हुआ, अपनों को पुरस्कार, चेयरमैन अध्यक्ष पद से नवाजती है। लेकिन सत्ता की श्रेष्ठता इस बात में है कि वह पार्टी के सक्रिय सदस्यों कार्यकर्ताओं शुभचिंतकों को सत्ता शासन में भागीदार बनाती है और सरकार की नीतियों कार्यक्रमों को बनाने में सहयोग लेती है। अब क्योंकि बारी सुक्खू की आई तो सत्ता का संतुलन बनाने की जगह उन्होंने उन लोगों को पद नवाजे, जो जनता का मत लेकर नहीं आए थे और वीरभद्र गुट की अघोषित अनदेखी कर दी। कांगड़ा, मंडी, बिलासपुर आदि महत्त्वपूर्ण जिलों को मंत्री परिषद में जगह नहीं मिली। प्रदेश के कई वर्ग, जातियां, समूह शासन की हिस्सेदारी से वंचित कर दिए गए। कांगड़ा से सुधीर शर्मा, हमीरपुर से राजेंद्र राणा इस बगावत के सरगना हुए और यह सब भाजपा के खुले समर्थन से हुआ। जयराम ठाकुर पूर्व मुख्यमंत्री सुक्खू सरकार को 'मित्रों की सरकार' कह कर संबोधित करते है। यह दीगर है कि वह भी पदों की रेवड़ियां बांटने में मशगूल रहे। उनका स्वयं का काल विसंगतियों और विरोधाभास का रहा। आजकल विपक्ष में उनकी सक्रियता को देख कर भाजपा के लोग भी यह स्वीकार करते है कि इतनी सक्रियता के साथ उन्होंने भाजपा की सरकर चलाई होती, तो 2022 में कांग्रेस सरकार न बनती। और अब बात करते हैं सुक्खू शासन के व्यवस्था परिवर्तन की बड़ी भूल की, वह है नौकरशाही पर ढीली पकड़। आपने निर्णय लिया कि सरकार बनते ही आप सरकारी बाबूओं को नहीं बदलेंगे। लेकिन वह समय चला गया जब नौकरशाह निर्भीक हो कर राय देते थे। आज समय है कमिटिड ब्रोकेसी अर्थात समर्पित नौकरशाहों का। आलम यह है कि नौकरशाह भी अब तटस्थ न हो कर भाजपा-कांग्रेस के हो कर रह गए है। ऐसी प्रशासनिक संस्कृति तैयार हो रही है जो स्टील फ्रेम न हो कर रीढ़विहीन हो गई है। चुने हुए विधायकों को इस बात की शिकायत है कि हमारे कार्य नहीं होते, परंतु गैर प्रतिनिधियों, कबिनेट रैंक वाले नेताओं को मुख्यमंत्री और प्रशासन अधिमान देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दान पर्व के रूप में मनाया जाता है जैन धर्म में अक्षय तृतीया को

रायपुर (विश्व परिवार)। आज अक्षय तृतीया पर श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश रारा ने एक प्रेस नोट जारी कर बतलाया की प्रथम जैन तीर्थंकर ऋषभदेव ने दीक्षा के समय 6 मास का उपवास लिया था।उपवासोपरांत उन्होंने आहार हेतु विहार किया किंतु उन्हें 7 माह 9 दिन तक आहार प्राप्त नहीं हुआ क्योंकि दान की विधि किसी को मालूम नहीं थी। एक दिन भगवान ऋषभदेव को देखकर हस्तिनापुर के राजा श्रेयांश को अपने पूर्व भव का स्मरण हो जाने के कारण दान की विधि मालूम हो गई और उन्होंने भगवान को प्रथम बार विधिवत पड़गाहन कर इक्षु रस का आहार दिया। उस दिन वैशाख शुक्ला तृतीया थी। उस दान के निमित्त से उस दिन राजा की भोजशाला में भोजन अक्षुण हो गया। अत: उसी दिन से जैन धर्मावलंबी अक्षय तृतीया को दान पर्व के रूप में मनाते आ रहे हैं। **-कैलाश रारा**

विश्व नर्सेज दिवस के अवसर पर एम्स में विशेष शिविर, 60 यूनिट रक्तदान

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व नर्सेज दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में गुरुवार को विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें एम्स के नर्सिंग ऑफिसर्स ने 60 यूनिट रक्तदान किया। कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने शिविर को एक सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य संस्थान में नर्सिंग अधिकारियों का विशेष महत्व होता है। यह रोगी के साथ चिकित्सक की अपेक्षा अधिक समय व्यतीत करते हैं। अत: अपने व्यवहार से यह रोगी को ठीक होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने रक्तदान शिविर सहित विशेष सामाजिक कार्यों के लिए भी नर्सिंग ऑफिसर्स को प्रोत्साहित किया। रक्तदान शिविर का आयोजन एम्स नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष बंटी कुमार, विशोक एन, चिदंबर कुलकर्णी, श्रीनिवास कुलकर्णी, ओमराज, अजय सिंह, भंवर परिहार, रश्मि जैन, विद्याश्री, रविचंद्र, रवि किरण, प्रदीप जक्का, महेंद्र शर्मा, अर्पित शर्मा, नरेंद्र विश्नोई, कनकराज आदि ने शिविर में भाग लिया। चित्र परिचय-विश्व नर्सेज दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लेते नर्सिंग अधिकारी।

ईओडब्ल्यू ने सराफा व्यापारियों के निवास और दुकानों में दी दबिश

रायपुर (आरएनएस)। महादेव सट्टा मामले में ईओडब्ल्यू बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने में जुटा है। आज सुबह से ही ईओडब्ल्यू की टीम प्रदेश भर में रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर, राजनांदगांव, कांकेर सहित अन्य जगहों पर एक साथ छापेमारी कर रही है। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बल भी कार्रवाई में शामिल हैं। दुर्ग में सराफा व्यापारियों के निवास और दुकानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने रेड मारी है। सहेली ज्वेलर्स और अलंकार ज्वेलर्स के संचालक की दुकान और निवास पर सुबह-सुबह पहुंचकर दस्तावेजों की पड़ताल के साथ पूछताछ कर रही है। अलंकार ज्वेलर्स के संचालक प्रकाश सांखला के निवास पर पहले भी आईडी और ईडी की टीम छानबीन कर चुकी है।

मुनि श्री विनम्रसागर जी महाराज का ससंघ विदिशा आगमन 11 मई को प्रात:कालीन बेला में होगा

विदिशा (विश्व परिवार)। समाधिस्थ संतशिरोमणी आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य एवं वर्तमान आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती ज्येष्ठ मुनि श्री विनम्रसागर महाराज मुनि श्री निस्वार्थ सागर महाराज मुनि श्री निसर्ग सागर महाराज एवं छुल्लक श्री हीरक सागर जी महाराज का आगमन आगामी 11 मई शनिवार को प्रात:कालीन बेला में हो रहा है।सकल दि. जैन समाज के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया कि 10 मई सुक्रवार को मुनि संघ की आहारचर्या अतिशय क्षेत्र हिरनई में होगी एवं रात्री विश्राम कर 11 मई शनिवार को प्रात:कालीन बेला में श्री धर्मनाथ दि. जैन मंदिर सागर रोड़ बंटीनगर चौराहे से होगी। ज्ञातव्य रहे मुनि श्री विनम्रसागर जी महाराज एवं संघस्थ मुनिराजों का 2021 में विदिशा नगर के शीतलधाम में चातुर्मास हो चुका है। विदिशा नगर में आगामी 13 मई से 20 मई तक श्री पारसनाथ दि. जैन मंदिर अरिहंत विहार में वैद्य परिवार के द्वारा आयोजित श्री सिद्दचक्र महामंडल विधान के आयोजन में आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के आशीर्वाद से मुनिसंघ सानिध्य में होंने जा रहा है। इस आयोजन में श्री सकल दि. जैन समाज अरिहंत विहार मंदिर ट्रस्ट, मुनि सेबकसंघ एवं गुरु भक्त विनम्र परिवार ने समस्त सदस्यों से तथा समाज बंधुओं से निवेदन करते हुये परिवार सहित इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होंने एवं मुनिसंघ की मंगल अगवानी की अपील की है। बाहर से पधारने बाले श्रद्धालुओं की आबास एवं भोजन व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा रखी गयी है। **-अविनाश जैन**

12 मई को होगा जय आनंद मधुकर रतन भवन में लब्धि कलश की राशि का समर्पण

शिक्षा और चिकित्सा में सहयोग कर रहा दुर्ग का गौतम लब्धि फाउंडेशन

दुर्ग आज से 2 वर्ष पूर्व गौतम लब्धि फाउंडेशन की अभिनव योजना

दुर्ग (विश्व परिवार)। दुर्ग में जरूरतमंद जैन स्वधर्मियो के लिए प्रारंभ हुई थी जिसका लाभ शहर के जरूरतमंद जैन परिवार के सदस्यों को इसका लाभ मिल रहा है। दुर्ग के जैन परिवारों के मध्य वितरित किए गए गौतम लब्धि कलश की राशि का समर्पण 12 मई रविवाराशि जय आनंद मधुकर रतन भवन बांदा तालाब दुर्ग में रखा गया है जिन जैन परिवारों को यह कलश दिए गए हैं उन सभी परिवारों से आग्रह है कि वह अपने कलश की राशि रविवार को कलश खाली कर समर्पित करें जिससे अधिक से अधिक जैन परिवारों को स्वास्थ्य शिक्षा चिकित्सा में अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

अब तक चार लाख रुपए तक की राशि जैन स्वधर्मी सहायता में दी जा चुकी है। उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि जी महाराज की प्रेरणा से प्रारंभ इस योजना में दुर्ग शहर के जैन परिवार के घरों में गौतम लब्धि कलश वितरित किए गए थे इस कलश में संग्रहित राशि का वितरण चेक द्वारा जरूरतमंद जैन परिवारों को प्रदान किया जाएगा

जैन समाज के सामाजिक उत्थान के लिए दुर्ग शहर में यह योजना शिक्षा चिकित्सा एवं स्वधर्मी सहायता में इस राशि का उपयोग किया जा रहा है। जिसके लिए इच्छुक व्यक्ति गौतम लब्धि फाउंडेशन में आवेदन कर सकता है आवेदन करने वाले का नाम पूर्णत: गुप्त रखा जाएगा इस योजना में समाज का कमजोर तपका कोई वंचित न हो इसका विशेष प्रयास होगा। व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से इसे प्रचारित किया जा रहा है। गौतम लब्धि फाउंडेशन के सदस्यों ने आग्रह किया है जिन जिन परिवारों में गौतम लब्धि कलश वितरित किए गए हैं उस कलश में अधिक से अधिक दान की राशि संग्रहित करने का आह्वान संस्था के सदस्यों ने किया है संस्था के संयोजक सुरेश श्री श्रीमाल निर्मल बाफना रवि गुणधर आशीष बोहरा जम्बू भंडारी ने जैन समाज के लोगों से गौतम लब्धि कलश में अधिक से अधिक राशि का दान कर स्वधर्मी सहायता में सहयोग करने का आवाहन किया है इस संदर्भ में गांधी चौक दुर्ग में सुरेश श्री श्रीमाल के पास आवेदन जमा किया जा सकता है।

हाईस्कूल-हायर सेकेण्डरी परीक्षा के प्रावीण्य सूची में जिले के पांच विद्यार्थी शामिल

10वीं में 4 और 12वीं में 1 विद्यार्थी प्रावीण्य सूची में, कलेक्टर सुश्री चौधरी ने विद्यार्थियों को दी बधाई

हाईस्कूल में 76.86 प्रतिशत एवं हायर सेकेण्डरी में 83.40 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण

दुर्ग (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आज हायर सेकेण्डरी परीक्षा और हाई स्कूल का रिजल्ट घोषित किया गया है। जिसमें जिले में हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 76.86 प्रतिशत एवं हायर सेकेण्डरी का परीक्षा परिणाम 83.40 प्रतिशत रहा है। हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में छत्तीसगढ़ की मेरिट सूची में दुर्ग जिले के 04 विद्यार्थी एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम में छत्तीसगढ़ की मेरिट सूची में जिले के 1 विद्यार्थी स्थान बनाने में सफल रहे। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेवरा सिरसा दुर्ग की भावना साहू ने 12वीं में 475 अंक (95.00 प्रतिशत) के साथ प्रावीण्य सूची में 10वां स्थान प्राप्त किया है।

इसी प्रकार हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में शासकीय हाई स्कूल महकाकला की दुर्गा रानी वर्मा ने 585 अंक (97.50 प्रतिशत) के साथ प्रावीण्य सूची में 8वां स्थान, शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय दुर्ग की आर्य कश्यप ने 584 अंक (97.33 प्रतिशत) के साथ प्रावीण्य सूची में 9वां स्थान, खालसा पब्लिक हाई स्कूल दुर्ग की यशवंत कुमार पारकर ने 584 अंक (97.33 प्रतिशत) के साथ प्रावीण्य सूची में 9वां स्थान एवं स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर अंग्रेजी माध्यम स्कूल कुम्हारी दुर्ग की रिया साहू ने 583 अंक (97.17 प्रतिशत) के साथ प्रावीण्य सूची में 10वां स्थान प्राप्त किया है। कलेक्टर के प्रतिनिधि के रूप में एसडीएम दुर्ग मुकेश रावटे, एसडीएम भिलाई-3 महेश राजूपत, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों के घर पहुंचकर उनका मुंह मीठा कर एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर उनकी इस सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

निर्वाचन ड्यूटी में मृत महिला कर्मचारी के परिजन को अनुग्रह राशि भुगतान करने की मांग

दुर्ग (आरएनएस)। लोकसभा निर्वाचन के दौरान दुर्ग जिला अंतर्गत वैशाली नगर विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 205 में मतदान अधिकारी क्रमांक 01 की भूमिका निभाने वाली मधु बंजारे का घर वापसी के दौरान सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जिला इकाई दुर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश महामंत्री ओम प्रकाश पाण्डेय एवं जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न साहू के नेतृत्व में जिला स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्ग की अनुपस्थिति में वैशाली नगर विधानसभा के निर्वाचन अधिकारी हरवंश कुमार मिरी से मुलाकात कर मृतक महिला कर्मचारी मधु बंजारे के परिजनों को निर्वाचन आयोग की तरफ से देय अनुग्रह राशि का भुगतान अति शीघ्र करने की मांग रखी। जिस पर वैशाली नगर विधानसभा के निर्वाचन अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर हरवंश कुमार मिरी ने अनुभागीय दंडाधिकारी भिलाई 3 से जांच रिपोर्ट मंगाए जाने की बात कही है । जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही राज्य निर्वाचन आयोग को अनुग्रह राशि भुगतान हेतु अविलंब प्रस्ताव भेजने की बात कही है। अधिकारियों से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के दुर्ग जिला उपाध्यक्ष कमल वैष्णव, निजामुद्दीन साबरी, जयंत यादव, वीरेंद्र कुमार वर्मा, संजय चंद्राकर, किशन देशमुख, मदन साटकर, सालिकराम ठाकुर, वर्षा हरिहरनों, नीलू थापा, सतीश यादव, राहुल झा, अनुराग श्रीवास्तव, चुने राम साहू, मधु वर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया को चिरंजीवी तिथि भी कहते हैं : पं. ब्रह्मदत्त शास्त्री

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। ना क्षय इति अक्षय, कल 10 मई को अक्षय तृतीया है इसे चिरंजीवी तिथि भी कहते हैं, आज हमारे आराध्य, हमारे इष्टदेव भगवान परशुरामजी की जन्म तिथि है, यह कहना है ज्योतिष भूषण पंडित ब्रह्मदत्त शास्त्री का।

उन्होंने कहा कि आम जन मानस में यह जिज्ञासा है कि आज विवाह का मुहूर्त है या नहीं क्योंकि गुरु एवं शुक्र का तारा अस्त है और शादी विवाह आदि मांगलिक कार्यों पर 3 जुलाई तक विराम लगा हुआ है, शास्त्रीजी ने स्पष्ट किया कि यद्यपि ज्योतिष की दृष्टि से मुहूर्त नहीं बनता किंतु अक्षय तृतीया को देव लग्न माना गया है, यह साल में आने वाले साढ़े चार मुहूर्तों में से एक हैं, जो कि अबूझ और स्वयं सिद्ध माने गए हैं इसलिए आज विवाह के लिए यह मुहूर्त प्रशस्त है उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति विशेष के लिए किसी कार्य प्रयोजन की सिद्धि व सफलता के लिए मुहूर्त शोधन किया जाता है, एक मुहूर्त दो घटी अर्थात 48 मिनट का होता है पंचांग के 5 अवयव तिथि, वार, योग, करण व नक्षत्र की अनुकूलता से लग्न शुद्धि की जाती है, वर का सूर्य, कन्या का गुरु एवं दोनों का चंद्र बल देखकर मुहूर्त निकाला जाता है, किंतु आज देव लग्न में यह सब करने की जरूरत नहीं इसलिए मुहूर्त ना होने पर भी कुछ विशेष अबूझ मुहूर्तों में शादी ब्याह किए जा सकते हैं, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, विजया दशमी, देव प्रबोधिनी एकादशी, कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा, गंगा दशहरा, बसन्त पंचमी, भड़ुली नवमी, फुलेरा दूज और अक्षय तृतीया को बिना देखे मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं।

राजनांदगांव जिले में कक्षा 10वीं में 76.76 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं में 83.57 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण

कलेक्टर ने सभी विद्यार्थियों को दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

कक्षा 10वीं में कुमारी वंशिका साहू 97.83 प्रतिशत अंकों के साथ राज्य में छठवां स्थान

राजनांदगांव (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। राजनांदगांव जिले से कक्षा 10वीं में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय छुरिया की छात्रा कुमारी वंशिका साहू ने 97.83 प्रतिशत अंकों के साथ राज्य में छठवां एवं जिले में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह कक्षा 12वीं में सर्वेश्वर दास शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय राजनांदगांव के छात्र रिकेश देवांगन एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भेड़ीकला राजनांदगांव के छात्र ओगेश कुमार ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिले में कक्षा 10वीं में 76.76 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए है। जिसमें छात्रों का प्रतिशत 71.85 एवं छात्राओं का प्रतिशत 80.78 है। इस तरह कक्षा 12वीं में 83.57 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। जिसमें छात्रों का प्रतिशत 80.11 एवं छात्राओं का प्रतिशत 86.24 है।

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिले के सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा में सफल होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कर बच्चों ने जिले का नाम गौरवान्वित किया है। आगे भी इसी तरह सफलता के नये आयाम प्राप्त करें। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय कुमार जायसवाल ने भी बच्चों को हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र में बोर्ड परीक्षा में अच्छे परिणाम के लिए कार्ययोजना बनाई जाएगी।

अक्षय तृतीया एक ऐसी पवित्र तिथि है जिसका पुण्य फल कभी समाप्त नहीं होता

अक्षय तृतीया को बहुत लोग आखा तीज के नाम से भी जानते हैं यह पुण्यतिथि ही नहीं अपितु महा पुण्यतिथि है। अक्षय तृतीया और अक्षय नवमी दोनों का विशेष महत्व है, इस दिन युग का आरंभ हुआ था इसको युग तिथि भी कहते हैं सतयुग, त्रेता, द्वापर का आरंभ इसी दिन हुआ था, जब हम मन, कर्म, विचार सब तरह से शुद्ध होते हैं तो सतयुग में होते हैं, जब 75 प्रतिशत शुद्ध होते हैं तो त्रेता में और जब 50त्न शुद्ध होते तो द्वापर में होते हैं और जब 75त्न गलत होते हैं तो कलयुग में होते हैं। सतयुग, त्रेता, द्वापर तीनों युग अपने अंदर ही होता है। हर मनुष्य के अंदर यह तीनों गुण होते हैं इसलिए इस दिन का विशेष महत्व है इस दिन विशेष पुण्य करने की आवश्यकता होती है सत्य बोलना, अच्छा कार्य करना, मंत्र जाप, स्नान, दान, गंगा स्नान आदि। अक्षय जिसका कभी क्षय ना हो,इस दिन जो भी पुण्य कार्य करते हैं वह अक्षय होता है, उसका पुण्य कभी क्षय नहीं होता जन्म-जन्मांतर तक होता है उचित व्यक्ति, उचित स्थान को देखकर दान करना वह पुण्य हमेशा अक्षय के रूप में प्राप्त फल देता है। पूजा-पाठ, मंत्र इन सबसे अधिक दूर रहें कथा से दूर रहें तो वह कुकर्म का भी फल मिलता है इसलिए हमें केवल सोचते ही नहीं रहना चाहिए अपितु ऐसे अक्षय पुण्य के अवसर पर दान पुण्य करना चाहिए। अक्षय तृतीया के दिन अगर हम गुरु मंत्र का जाप करें तो वह काफी पुण्य दायी होता है यमराज के दरवाजा में कभी नहीं जाता है अपितु भगवान विष्णु के पार्षद आते हैं। अक्षय तृतीया एक ऐसा पवित्र तिथि है जिसका पुण्य फल कभी समाप्त नहीं होता है।इस समय नारायण के छठवें अवतार के रूप में परशुराम जी का जन्म हुआ था, भगवान परशुराम का अवतरण दिवस होता है, भगवान परशुराम का अवतार का वास्तविक अर्थ यह है जिस समय राम से समस्त राजाओं ने युद्ध करने तैयार होते हैं वह राक्षस राजा रावण आदि सब प्रकार की कुप्रवृत्ति 10,000 राजा के रूप में। वह सब कुप्रवृत्ति हमारे अंदर होती है जो हमें शांति और भक्ति से एक नहीं होने देती है, शांति अलग, भक्ति अलग-अलग परमात्मा अलग रहता है, भगवान परशुराम के आते ही सब राजा शांत हो गए नतमस्तक हो गए, डर गए, अकेले ही सबका नाश कर देंगे, मनुष्य के अंदर भी इतनी अधिक बुराइयां है, कबीर दास जी कहते हैं..

एक लाख पुत्र सवा लाख नाती, ताकि घर दिया ना बाती... लंका रूपी सारी बुराइयां मनुष्य के खोपड़ी में भारी पड़ी है प्रगट जनकपुर में अप्रकट लंका में थी। अपने अंत:करण में परशुराम का आगमन होगा तो बुराइयां नतमस्तक हो जाएगी जब भगवान परशुराम का अवतार अपने अंदर हो जाए इस समय बुराइयां शिथिल पड़ जाएगा, डर जाएगा, शांत हो जाएगा और भक्ति और शांति का मिलन हो जाएगा। अपने अंदर में परशुराम जी को जागृत करना पड़ेगा जो बुराइयों को शिथिल कर देते हैं, भगवान अहंकार रूपी सारी बुराइयों को समाप्त करते हैं राम अवतार नहीं परशुराम अवतार करने की आवश्यकता होती है तब बुराइयां नतमस्तक हो जाएगी। काम, क्रोध,लोभ,मोह समस्त बुराई एक ही साथ परशुराम जी के सामने आ जाते हैंऔर शिथिल पड़ जाते है,और यदि भगवान परशुराम क्षत्रिय विनाशक होते तो राम क्यों खड़े होते? संस्कृति की रक्षा करना, क्षत्रिय की रक्षा करना, प्रजा को संतान की तरह सुख देना, यह परशुराम जी करते हैं। धर्म ध्वजा वाहक बनकर आते हैं गलत करने वाले को समाप्त करते हैं, इस तरह परशुराम जी धर्म की रक्षा करते हैं जब हम गिरते हैं तो हमारा हाथ ही सामने होता है जब कुछ आता है तो हमारा हाथ ही सामने होता क्योंकि भूजा क्षत्रिय है और क्षत्रिय सब की रक्षा करते हैं भगवान राम धर्म ध्वज के अनुसार कार्य में लगे रहते हैं भगवान उनकी रक्षा करते हैं परशुराम जी इसी तरह इसलिए अवतार लेते हैं और इस खुशी के अवसर पर जितने राजा थे सब युद्ध करने तैयार थे जिसको परशुराम जी रोक देते हैं और शांति और भक्ति का मिलन होता है, परमात्मा से लड़ने की नहीं अपितु प्रेम करने की आवश्यकता है यह शिक्षा देते हैं। परशुराम जी क्रोध करके भगवान राम में ब्रह्म का दर्शन कराए,तब तक लोग जानते नहीं थे कि राम भगवान है सब प्रकार के उत्तम कार्य किया और अक्षय तृतीया को अवतार लेते हैं, भगवान सारी बुराइयों का नाश करते हैं इस दिन गंगा के जल से स्नान करना, पवित्र भाव से भगवान का नाम लेना, गाय के पीठ पर हाथ फेरना ताकि दुर्भाग्य की रेखा मिट जाए, प्रसन्न भाव से अधिक से अधिक दान करना, भूमि दान करना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है, एक फीट से लेकर एक गज तक। उसी अनुपात में पैसा दे सकते हैं एक भूमि का टुकड़ा भी विशेष महत्व होता है।

बच्चों ने सीखे संस्कार, अब प्रतिदिन पढ़ेंगे माता-पिता के पांव

श्रमण संघीय आवासीय जैन संस्कार शिविर में विजयश्री प्रियदर्शना जी का मिला सानिध्य

दुर्ग (विश्व परिवार)। नव दिवसीय श्रमण संघीय जैन संस्कार आवासीय शिविर का आज जय आनंद मधुकर रतन भवन में समापन समारोह सम्पन्न हुआ छत्तीसगढ़ के विभिन्न विभिन्न क्षेत्रों से आए बच्चों के पालकों ने भी इस शिविर में हिस्सा इस संस्कार शिविर में 180 बच्चों ने जैन ज्ञान ज्ञान का अर्जन किया लिया आज आज छोटे-छोटे बच्चों ने पुरस्कार पाकर खुशी से झूम उठे थे

साध्वी श्री के आशीर्वचन के साथ धर्म सभा प्रारंभ हुई जय आनंद मधुकर रतन पाठशाला के शिक्षिकाओं ने मंगलाचरण की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम प्रारंभ किया। श्रमणसंघीय जैन संस्कार आवासीय शिविर में बच्चों की पांच अलग-अलग कक्षाएं संचालित थी

नर्सरी जय आनंद क्लासके बच्चों ने धार्मिक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लिया। जैन दर्शन में चार प्रकार की गति बताई जाती है इन विषयों को आधार मानकर जय आदिनाथ क्लास के बच्चों ने गति विषय पर शानदार नाटिका की प्रस्तुति दी इसी तरह जय महावीर जय गौतम स्वामी जय ब्राह्मी क्लास के बच्चों ने भी भजनों जैन कव्वाली एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ धर्म सभा का माहौल खुशनुमा बना दिया पाठशाला के बच्चों ने ही साध्वी प्रिया दर्शन श्री जी केआज दीक्षा दिवस पर उनके जीवन जीवन चरित्र को लेकर शानदार नाटिका की प्रस्तुति दी बचपन से लेकर संयमी जीवन तक के अनेक चित्रण को दर्शाया गया बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन पाठशाला की शिक्षिका चंदा रुणवाल शीला श्रीश्रीमाल ने किया।

हर्षदा कर्णावट प्रेरणा श्रीश्रीमाल भूमिका संचेती रिंकी बेगानी चंचल श्री श्रीमाल अरुणा रतन बोहरा मीनल कोचर स्वीटी पारख मीना बाफना इंदिरा बोहरा किरण संचेती भारती श्रीश्रीमाल युक्ता बोहरा के पुरुषार्थ एवं मार्ग दर्शन में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। पांच अलग-अलग ग्रुपों में बच्चों को जैन संस्कार अर्जित करने विभक्त किया गया था जिसमें जय आनंद नर्सरी ग्रुप में प्रथम स्थान पर प्रिशा पारख द्वितीय स्थान पर पहल पारख एवं तृतीय स्थान पर परिक्षित रतन बोहरा रही।

इसी तरह जय आदिनाथ क्लास में लब्धि चोपड़ा नव्य चोपड़ा हार्दिक बाफना क्रमश: प्रथम द्वितीय तृतीय रहे। जय महावीर क्लास में जैनम बाघमार प्रथम तनीषा रतन बोरा द्वितीय तथा प्रत्युषा चोपड़ा तृतीय स्थान में रही। जय गौतम स्वामी क्लास में स्तुति जैन हार्दिक संचेती श्रेयांश जैन क्रमश: प्रथम द्वितीय तृतीय रहे। जय चंदन वाला क्लास में गुंजन नाहर प्रथम रसिक गोलछा द्वितीय तथा तृतीय क्रम में लब्धि बरेमेचा रही। जय ब्राह्मी क्लास में प्रथम स्थान पर युग देशलहरा द्वितीय स्थान पर दिव्या देश लहरा एवं तृतीय स्थान पर मन्नत लोढ़ा रही।

शिविर की धर्म सभा का संचालन करते हुए राकेश संचेती एवं पूर्व मंत्री टीकम छाजेड़ ने सभा का संचालन किया तथा श्रवण संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी ने शिविर में भाग लेने वाले विजेता बच्चों को संघ के प्रमाण पत्र एवं गिफ्ट द्वारा पुरस्कृत किया इसके लाभार्थी परिवार त्रिशला देवी भंवर लाल जी श्रीश्रीमाल परिवार थे इस अवसर पर श्री पारसमल संचेती जसराज जी पारख धर्मचंद लोढ़ा निर्मल बाफना किशोर संचेती अमर चंद बेगानी सहित श्रमणसंघीय श्रावक संघ के वरिष्ठजन विशेष रूप से उपस्थित थे। इस नव दिवसीय शिविर के संचालन में प्रकाश कांकरिया पंकज बेगानी नितीन संचेती अमित बाघमार अतुल चोरड़िया वर्धमान बोहरा पदम छाजेड़ शुशील पारख जिनेश जैन आकाश पारख प्रेमचंद बेगानी का विशेष सहयोग रहा। **-नवीन संचेती**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, शुक्रवार 10 मई 2024

संक्षिप्त समाचार

वार्डवासियों ने की बारिश पूर्व पानी निकासी की मांग

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। लोक निर्माण विभाग के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से जिला जेल रोड में डामरीकृत सड़क का निर्माण कराया जा रहा है वहीं जिला जेल के पीछे 50 से अधिक घर है जहां से पानी के बिना निकासी की व्यवस्था किये सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा था जिससे आक्रोशित वार्डवासियों ने वार्ड पार्षद अशोक गोड़ की नेतृत्व में बिना पानी निकासी की व्यवस्था किया सड़क निर्माण की जाने का विरोध करने लगे वही लोक निर्माण विभाग के अधिकारी से भी चर्चा की जिनके द्वारा एक सप्ताह के अंदर पानी निकासी की व्यवस्था कर दिए जाने की बात कही। वार्ड पार्षद अशोक गोड ने कहा कि विगत 6 माह से लगातार सड़क निर्माण के पूर्व पानी निकासी की व्यवस्था किए जाने की मांग लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से करते आ रहा हूं। कई बार मौखिक रूप से अवगत कराया तो हर समय आश्वासन मिलता रहा की पानी निकासी की व्यवस्था बन जाएगी यहां तक की लेआउट भी दिया गया परंतु उसके बाद पानी निकासी की व्यवस्था नहीं हुई। मंगलवार को जब वर्षा हुई तो पानी घरों के अंदर जाने लगा था वही आने वाले समय में बरसात के दिन में यदि पानी निकासी की व्यवस्था नहीं हुई तो घरों के अंदर पानी चला जाएगा। अशोक गोड़ ने कहा कि यदि पानी निकासी की व्यवस्था लोक निर्माण विभाग नहीं करवाता है तो मजबूरन हम सब वार्ड वासियों को काम रुकवाना पड़ेगा। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने एक सप्ताह के अंदर पानी निकासी की व्यवस्था कर दिए जाने की बात कही।

महिला ने पति के प्राइवेट पार्ट पर किया हमला

बालोद(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। छोटी सी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्साई महिला ने अपने पति के प्राइवेट पार्ट को दांतों से काट दिया. इस घटना में जख्मी पति अस्पताल पहुंचकर इलाज कराया। वहीं मामले में पत्नी के खुइलाफ एफ्आईआर भी दर्ज कराया। यह मामला डौंडीलोहारा के संजारी चौकी का है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम खेरथा बाजार चौकी संजारी का रहने वाला पुनीत राम सिन्हा 34 वर्ष मजदूरी का कार्य करता है. बीते 6 मई की दोपहर को वह घर में था. उसने अपनी पत्नी सरिता बाई जो सो रही थी उससे खाना मंगा तो पत्नी ने गुस्से में खुद निकाल कर खाने बोलने लगी. जिस बात पर विवाद बढ़ा और पत्नी ने पति को खूब गालियां देनी शुरू की और मना करने पर पत्नी ने पति के गुप्तांग को दांतों से काट दिया. जिससे उसके गुप्तांग से खून आने लगा. वहीं घटना को अंजाम देने के बाद पत्नी मौके से भाग गई. इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई. बहरहाल, मामले में पुलिस ने आरोपी पत्नी के खिलाफ डौंडीलोहारा थाने में धारा 294, 506, 323 के तहत मामला दर्ज कर लिया है.

कलेक्टर ने धीरी परियोजना का किया निरीक्षण

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज राजनांदगांव स्थित धीरी परियोजना का निरीक्षण किया। इसके कुछ दिनों पहले कलेक्टर श्री अग्रवाल ने ग्राम ईरा में इंटकवेल का अवलोकन किया था, जहां पानी नहीं था। उन्होंने दुर्ग जिले से समन्वय करते हुए व्यक्तिगत तौर पर पहल की और दुर्ग जिले में डुडा एनीकट के निर्माणाधीन कार्य को पूर्ण कराने के लिए कहा, जिसका सुखद परिणाम मिला। धीरी परियोजना में अब पानी की समस्या नहीं है और जल से भरा हुआ है। इस परियोजना के तहत नदी से पानी लेकर उनका ट्रीटमेंट कर 24 गांवों में जल की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने इस दौरान ग्राम धीरा, सांकरा, धीरी और सोमनी में ग्रामीणों से पेयजल के संबंध में चर्चा की। ग्रामवासियों ने बताया कि कुछ स्थानों में पानी की समस्या है। गांव में टूल्लू पम्प लगे होने के कारण जल का स्तर नीचे चला गया है और कुछ घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। कलेक्टर ने पंचायत एवं पीएचई विभाग की टीम को ग्रामों में निरीक्षण कर समाधान करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 28 करोड़ 77 लाख 44 हजार रूपए की लागत से निर्मित धीरी परियोजना से 24 गांव में पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसके अंतर्गत ग्राम सोमनी, खुटेरी, ठेकवा, ठाकुरटोला, मनकी, तोरनकट्टा, सुंदरा, ईरा, सांकरा, धीरी, फरहद, ककरेल, महुआभाठा, परमालकसा, अचानकपुर भाठापारा, बैगाटोला, नवागांव, फुलझर, बिरेझर, इंदावानी, टेड़ेसरा, कोपेडीह, मगरलोटा, देवादा लाभान्वित हो रहे हैं। इन ग्रामों में उच्चस्तरीय जलागार बनाया गया है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने सेवा सहकारी समिति सोमनी का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित किसानों से चर्चा की तथा काउंटर पर खड़े होकर खाद एवं बीज लेने के लिए आए किसानों की प्रक्रिया को देखा। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को दिक्कत नहीं होनी चाहिए। बैंक में किसानों को कम समय लगे इस बात के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री समीर शर्मा, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन श्री जीडी रामटेके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पहले पढाई फिर विदाई नारे के साथ बुलंद हुआ अभियान

बाल विवाह रोकथाम पखवाड़ा का आयोजन किया गया

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग वरुण नागेश के मार्गदर्शन में यूनिसेफ के सहयोग से जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की संभावनाओं को देखते हुए, किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए बाल विवाह रोकथाम पखवाड़ा का आयोजन किया गया। यह पखवाड़ा 25 अप्रैल से 10 मई तक चलेगा। जिसके तहत यूनिसेफ के युवोदय वालंटियर्स द्वारा पहले पढाई फिर विदाई नारों के साथ जिले के सभी पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों के सामाजिक समारोह ,शासकीय कार्यक्रमों, हाट-बाजारों तथा भीड़-भाड़ वाले स्थानों में बैनर पोस्टर लगाकर रैली, नुक्कड़-नाटक, माईकिंग, दीवारों पर नारा लेखन, रंगोली एवं सुपोषण चौपाल के माध्यम से लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से लोगों को बताया जा रहा है कि, बाल-विवाह केवल एक सामाजिक बुराई नहीं अपितु कानूनन अपराध भी है। बाल-विवाह से बच्चों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास प्रभावित होता है। ज्ञात हो कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह करने वाले वर एवं वधु के माता-पिता, सगे संबंधी, बाराती यहां तक विवाह करने वाले पुरोहित, पंडितों पर भी कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। बाल विवाह के कारण बच्चों में कुपोषण, शिशु मृत्यु-दर एवं माता-मृत्यु दर के साथ घरेलू हिंसा में भी वृद्धि होती है। इस अभियान अंतर्गत यूनिसेफ के जिला समन्वयक विनोद साहू ने बताया कि, बाल-विवाह बच्चों के अधिकारों का अतिक्रमण करता है। बाल विवाह के कारण हिंसा, शोषण और यौन शोषण का खतरा बढ़ जाता है। उम्र से पहले शादी होने पर बच्चा-शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से वंचित तो होता ही है साथ ही नाबालिग होते हुए उनके गर्भवती होने और बच्चे को जन्म देने की स्थिति आ जाती है। इसका असर मां और शिशु के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। कुल मिलाकर बाल विवाह बच्चे का बचपन समय से पूर्व खत्म कर देता है। इस संबंध में आगामी 10 मई को अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की संभावनाओं को देखते हुए, जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है और बाल विवाह करने व करवाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अनुसार लड़की की शादी 18 वर्ष व लड़के की शादी 21 वर्ष से पहले की जाती है तो, वह कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है और उसकी सूचना तुरंत प्रशासन के अमलों पंचायत स्तर पर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, शिक्षक, स्व सहायता समूह की महिलाओं, बाल संरक्षण समिति व शहरी क्षेत्रों में नजदीकी पुलिस थाना चौकी, तहसीलदार, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला व बाल विकास, सीडीपीओ, एसडीएम एवं पुलिस अधीक्षक के साथ चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन नंबर 181 और पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर भी दी जा सकती है।

जिला ग्रंथालय बालोद में आवश्यक व्यवस्था एवं जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी : कलेक्टर

इंजीनियर ताराचंद साहू ने ग्रंथालय को दान की किताबें

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि जिला ग्रंथालय बालोद में अध्ययन-अध्यापन हेतु आने वाले लोगों को आवश्यक सुविधा एवं अनुकूल परिवेश प्रदान करने हेतु जिला ग्रंथालय में सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। चन्द्रवाल आज प्रेस क्लब बालोद द्वारा जिला ग्रंथालय में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विद्यार्थियों के लिए पाठ्य पुस्तक दान करने के संबंध में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। चन्द्रवाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों की मांग पर जिला ग्रंथालय में सीसीटीवी कैमरा एवं वाटर कूलर लगाने तथा ई-लाईब्रेरी की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर इंजीनियर ताराचंद साहू के द्वारा छत्तीसगढ़ एवं यूपीएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए जिला ग्रंथालय में हिन्दी एवं अग्रेंजी माध्यम की किताबे भी दान की। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक जोशी, एसडीएम शीतल बंसल, जिला शिक्षा अधिकारी पीसी मरकले, प्रेस क्लब बालोद के अध्यक्ष प्रदीप चोपड़ा भी विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर चन्द्रवाल ने प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विद्यार्थियों के लिए पुस्तक दान करने के लिए इंजीनियर ताराचंद साहू का मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उनके इस कार्य को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इसके लिए उन्होंने हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। कलेक्टर चन्द्रवाल ने कहा कि जिला प्रशासन की मंशा है कि जिला ग्रंथालय बालोद में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े नवयुवकों की संख्या में वृद्धि होनी चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने नगर के नर्सिंग अस्पताल के संचालक डॉ. तारेश रावटे की जिला ग्रंथालय के प्रति योगदान की भी सराहना की। चन्द्रवाल ने जिला ग्रंथालय की व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने तथा जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी बात कही। कलेक्टर ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से जिला ग्रंथालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने जिला ग्रंथालय की व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु योजना बनाने को कहा। जिससे की व्यवस्था में सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाई जा सके। इस अवसर पर कलेक्टर चन्द्रवाल ने प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विद्यार्थियों को इंजीनियर ताराचंद साहू द्वारा दान की गई किताबों की प्रति भेंटकर उन्हें शुभकामनाएं दी।

भू-जल स्त्रोतों, भू भौतिकी जांच और बोरवेल डग के संबंध में कलेक्टर ने की समीक्षा

धमतरी(विश्व परिवार)। जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन संरचनाओ के निर्माण और भू-जल स्त्रोंतो के वास्तविक स्थिति के आंकलन के उद्देश्य से आज कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड एवं एनआईटी रायपुर के विषय विशेषज्ञों की टीम के साथ में विस्तृत चर्चा की। कलेक्टोरेट के एनआईसी कक्ष में आयोजित इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन श्री आर.एल.देव, उप संचालक कृषि श्री मोनेश साहू, जिला खाद्य अधिकारी श्री बसंत कोर्राम, डीआईओ श्री उपेन्द्र सिंह चन्देल, सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड की वैज्ञानिक श्रीमती प्रियंका सोनबरसे, श्री रजनी कान्त शर्मा, श्री मुकेश आनंद, एनआईटी रायपुर से डॉ. डी सी झारिया, डा चन्दन सिंह, डॉ प्रियंका त्रिपाठी, डॉ. मृदु साहू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी भू-जल स्त्रोंतो भू भौतिकी जांच और बोरवेल डग एवं अन्य रीचार्ज स्ट्रक्चर की विस्तृत सर्वे के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही जिले की भू-जल ग्रहण क्षमता के संवर्धन हेतु आवश्यक स्ट्रक्चरो पर भी सुझाव मंगाया गया। कलेक्टर सुश्री गांधी ने जिले के विभिन्न उद्योगों में कम से कम पानी का उपयोग करने के लिए आगामी दिनों में कार्यशाला आयोजित करने की बात कही। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि वे जिले में किसानों को अपने खेतों में पानी का सही-सही उपयोग कैसे करें इसकी जानकारी दी जाये। साथ ही विभिन्न भवनों के आसपास बने रैन वॉटर हार्वेस्टिंग को भी दुरूस्त कराने कहा, जिससे कि भू-जल स्तर में बढ़ोत्तरी हो।

रेडक्रॉस का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय : कलेक्टर इन्द्रजीत

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि रेडक्रॉस का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस सोसाईटी के द्वारा कोरोना काल की विषम परिस्थिति में मरीजों को भोजन, दवाइंया एवं आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने जैसे अनेक पूनीत कार्य किया गया है। इसके अलावा रेडक्रॉस सोसाईटी के सदस्यों के द्वारा निक्षय मित्र बनकर 06 मरीजों को पोषण आहार देने जैसे कार्यों के अलावा स्वच्छता अभियान, यातायात, सड़क सुरक्षा अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर जनहित के कार्यों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता है। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को आज 08 मई विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। कलेक्टर चन्द्रवाल ने देहदान करने वाली सेवानिवृत्त व्याख्याता एवं रेडक्रॉस सोसाईटी के आजीवन सदस्य कमला वर्मा के कार्यों को अत्यंत अतुलनीय बताते हुए उन्हें हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके प्रति उन्हें विनम्र आभार व्यक्त किया। कलेक्टर ने कमला वर्मा को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम को सीईओ जिला पंचायत डॉ. संजय कन्नौजे एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी जिला बालोद के अध्यक्ष डॉ. एमके सूर्यवंशी ने भी संबोधित कर रेडक्रॉस के कार्यों की भूरी-भूरी सराहना की। कार्यक्रम में विधानसभा आम निर्वाचन 2023 एवं लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान उल्लेखनीय कार्य करने वाले रेडक्रॉस के वालंटियरों को प्रशस्ति पत्र, कीट एवं बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नगर में चोरों का आतंक

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। नगर में लगातार चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है बीती रात भी चोरों के द्वारा चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया जा रहा था। स्टेट बैंक रोड स्थित एक दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिए जाने के लिए दुकान का शटर ताला तोड़कर उठा दिया गया था। परंतु इसी दौरान इस रास्ते से गुजर रहे मतदान कर्मियों की नजर पड़ी तो वे गाड़ी को मोड़कर दुकान के नजदीक आए तो चोर भागने लगे किसी प्रकार से एक नाबालिक चोर को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया वहीं 3 फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात मतदान कर कर वापस आ रहे मतदान कर्मी शिक्षक आलोक केसरी अजीत गुप्ता आशीष गुप्ता एवं पुलिसकर्मी मायापति चार चक्का वाहन से स्टेट बैंक रोड होकर बस स्टैंड जा रहे थे इसी दौरान मध्य रात्रि साक्षी मोबाइल का शटर उठा हुआ दिख तो उन लोगों को कुछ शक हुआ वह 100 मीटर के करीब आगे चल गए थे फिर गाड़ी मोड़ कर जब दुकान के नजदीक पहुंचे तो सभी भागने लगे चारो भागने लगे वही मध्य रात्रि में ही स्टेट बैंक के रोड के बगल में रहने वाले भाजपा नेता शैलेश गुप्ता एवं आशीष टेलीकॉम के संचालक अमित गुप्ता,ब्लल्लु गुप्ता,रोहीत गुप्ता भी मौके पर पहुंच गए थे और देखते-देखते अन्य दुकानदार भी मौके पर पहुंच गए। चोरी करते नाबालिक युवक को पकड़ लिया गया वहीं तीन और फरार बताए गए पूछताछ में उन्होंने आसपास के गांव का ही होना बताया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। चोरों के द्वारा एसडीएम निवास के सामने बाइक खड़ी की गई थी बाइक का आगे पीछे का नंबर प्लेट झोला में रख दिया गया था। वही ताला तोड़ने एवं शटर खोलने के लिए औजार भी रखे गए थे। साक्षी मोबाइल के संचालक सुरेश को जब रात में दुकान में हुई घटना की जानकारी दी गई तो वह मैहर में थे।

सीजन में लीची फल विक्रय से कृषक को हो रही 8 से 10 हजार की रोज आमदनी

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। अपने आकर्षक रंगत और विशिष्ट स्वाद के बलबूते लीची के फल सदैव पसंद किये जाते रहे है। वैसे तो लीची एक उष्णकटिबंधीय सदाबहार फल है। इसमें कार्बोहाइड्रेट एंव कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा फास्फोरस, खनिज पदार्थ, प्रोटीन, विटामिन-सी आदि भी पाये जाते हैं। इन्हीं गुणों के कारण लीची के फल भारत ही नहीं बल्कि विश्व में अपना विशिष्ट स्थान बनाए हुए हैं। इस क्रम में बदलते समय के साथ जिले के कुछ उन्नतशील कृषकों का रुझान परंपरागत फसलों के अलावा बागवानी फसलों की ओर भी हो रहा है और वे आधुनिक कृषि तकनीक के साथ अन्य बागवानी फसल से जुड़ रहे है। इनमें एक नाम मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर स्थित ग्राम पोरो कमेली निवासी 37 वर्षीय भीमा तेलाम का भी है। जिनके लगभग 2 एकड़ के भूमि में चटख फलों से लदे हुए लीची के पेड़ आने जाने वालों के लिए सहज ही आकर्षण का केंद्र है, और इस सीजन में बीमा के लिए अतिरिक्त आमदनी का जरिया बन चुके है। इस संबंध में भीमा बताते है कि लीची एक मीठा स्वादिष्ट फल है, जिसका छिलका लाल रंग का पाया जाता है। जिसके अंदर सफेद रंग का गूदा होता है जो बहुत ही मीठा होता है। उन्होंने आगे बताया कि 15 वर्ष पहले 10-12 लीची के पौधे बाहर से लाए थे और प्रायोगिक तौर पर अपनी भूमि में लगाकर भली-भांति देखरेख किया। फलस्वरूप 7 वर्ष के पश्चात लीची के पेड़ में फल आना प्रारंभ हुआ जिसे उन्होंने स्थानीय बाजारों में विक्रय करना शुरू किया और उन्हें शुरुआत में मई-जून के दो महीने में ही 60-80 हजार रुपए से ज्यादा की कमाई हुई और अब तो स्थिति यह है कि वे रोज सुबह अपनी धर्मपत्नी के साथ लीची को लेकर बचेली मुख्यालय मार्केट (बाजार) पर जाकर स्वयं 200 रूपये किलो पर विक्रय कर रहे है। जिससे उन्हें प्रतिदिन 7 से 10 हजार रूपये की आमदनी हो रही है और पिछले दो माह में लगभग 1 लाख की आमदनी हो चुकी है। उनका यह भी कहना है कि लीची के अधिक पेड़ों के मालिक किसान तो सीजन में 5 से 8 लाख तक भी कमा लेते हैं। लीची के फलों के बदौलत अपनी आर्थिक स्थिति में सुखद बदलाव के विषय में वह प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहते है कि वे परम्परागत कृषि तो करते ही है। लेकिन बड़ा बदलाव तो बागवानी कृषि से आया, इसके चलते अब तो उसने अपनी भूमि में उन्नत नस्ल के आम और अमरूद जैसे फलदार पेड़ों को भी लगाया है। इस प्रकार उन्हें अब कृषि के गैर मौसमी दिनों में रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ता। बागवानी कृषि का पुरजोर समर्थन करते हुए उनका मानना है कि समय की यही मांग है कि अधिक से अधिक कृषक गैर परम्परागत खेती में भी संभावनाएं तलाशें।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर, शुक्रवार 10 मई 2024

व्यापार समाचार

लाल निशान में खुला शेयर बाजार; फार्मा, रियल्टी समेत कई सेक्टर में बिकवाली

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार की बुधवार के सत्र में कमजोरी के साथ शुरुआत हुई। यह लगातार चौथा सत्र है, जब बाजार मंदी के साथ कारोबार कर रहा है। शुरुआती कारोबारी में सुबह 9:25 तक सेंसेक्स 180.42 अंक या 0.26 प्रतिशत गिरकर 73,320.43 अंक पर और निफ्टी 41.50 अंक या 0.21 प्रतिशत गिरकर 22,261 अंक पर था। अब तक के कारोबार में गिरावट लार्ज कैप और मिडकैप शेयरों तक ही सीमित है। छोटे शेयरों में तेजी देखी गई है। खबर लिखे जाने तक निफ्टी का मिडकैप 100 इंडेक्स 59 अंक या 0.12 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 49,614 अंक पर था। वहीं, स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 31.35 अंक या 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 16,398 अंक पर था। एनएसई पर 1275 शेयर हरे निशान में और 731 शेयर लाल निशान में थे। सेंसेक्स पैक में एलएंडटी, एशियन पेंट्स, एचयूएल, एचडीएफसी और अल्ट्राटेक सीमेंट टॉप लूजर्स हैं। वहीं, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, जेएसडब्लू स्टील, एसबीआई और रिलायंस टॉप गेनर्स हैं। बाजार में गिरावट की वजह विदेशी निवेशकों द्वारा की जाने वाली बिकवाली भी है। मई माह के अब तक के कारोबारी सत्र में एफआईआई 9,194 करोड़ की बिकवाली कर चुके है। हालांकि, घरेलू निवेशकों यानी डीआईआई ने इस दौरान 5,129 करोड़ की खरीदारी की है। जियोजित फाइनेंसियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार, वी.के. विजयकुमार ने बताया कि चुनाव के परिणामों को लेकर अनिश्चितता के कारण बाजार में दबाव देखा जा रहा है। इंडिया विक्स का अप्रैल के न्यूनतम स्तर से 72 प्रतिशत बढ़ जाने के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। निवेशकों को समझना होगा कि इंडिया विक्स निफ्टी के ऑप्शन कीमतों पर आधारित होता है। कई निवेश अपने पोर्टफोलियो हेज करने के लिए पुट ऑप्शन खरीदते हैं, जिससे कि चुनाव के परिणाम विपरीत आने पर उन्हें कम से कम नुकसान उठाना पड़े। आगे उन्होंने बताया कि लंबी अवधि के निवेशकों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। इंडिया विक्स बाजार में अभी मान रहा है कि एनडीए वापस सत्ता में आ रहा है। लेकिन जैसे ही इस पर और अधिक स्पष्टता आएगी बाजार में एक रैली देखने को मिल सकती है।

पैदावार कम होने से चना एवं चना दाल के भावों में तेजी

जयपुर(एजेंसी)। देश की मंडियों में इस साल चने की पैदावार पिछले साल के मुकाबले काफी कम बताई जा रही है। परिणामस्वरूप चना एव चना दाल में मंदी के आसार समाप्त हो गए हैं। इस वर्ष देश में चने का उत्पादन तकरीबन 30 लाख टन कमजोर है। इसके अलावा कैरी फारवर्ड स्टॉक भी नहीं के बराबर है। इसे देखते हुए निकट भविष्य में चने के भाव आसमान छू सकते हैं। जयपुर मंडी में मिल डिलीवरी चना मंगलवार को 6550 रुपए प्रति क्विंटल पर तेज बोला जा रहा था। इसी प्रकार चना दाल मीडियम 7600 रुपए तथा चना दाल बोल्ड 7700 रुपए प्रति क्विंटल पर मजबूत बनी हुई थी। सिंघल दाल मिल के कमल अग्रवाल ने बताया कि एक से डेढ़ माह के दौरान चने में करीब 800 रुपए प्रति क्विंटल की मजबूती दर्ज की गई है। स्टॉकिस्ट सक्रिय होने से कीमतों में और तेजी से इन्कार नहीं किया जा सकता है। देशी चने का उत्पादन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक सहित सभी उत्पादक राज्यों में कम होने से वहां की मंडियों में आपूर्ति गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत कम हो रही है। दूसरी ओर सभी दालों में चने की दाल सस्ती होने से इसकी खपत ज्यादा है। इस बीच नोहर, भादरा, सवाईमाधोपुर, तारानगर तथा सरदारशहर लाइन में इस बार चने की क्वालिटी हल्की आ रही है तथा प्रति हैक्टेयर उत्पादकता भी कम बताई जा रही है। इंदौर लाइन का माल कुछ बढ़िया क्वालिटी का आ रहा है। भोपाल सागर, बीनागंज लाइन में आवक कम होने से भाव ऊंचे चल रहे हैं।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने सामाजिक क्षेत्र के स्टार्ट-अप को 19.6 करोड़ रुपये के अनुदान से सपोर्ट की

मुंबई। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज वित्त वर्ष 2024 के लिए अपने परिवर्तन स्टार्ट-अप अनुदान कार्यक्रम के विजेताओं की घोषणा की है। इस वर्ष सामाजिक प्रभाव उद्यमिता के क्षेत्र में 41 इनक्यूबेटर और एक्सेलेरेटर को विशिष्ट फोकस क्षेत्रों में काम करने वाले 170 स्टार्ट-अप का समर्थन करने के लिए कुल 19.6 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। इस वर्ष का कार्यक्रम नीति आयोग के तहत भारत सरकार की पहल अटल इनोवेशन मिशन के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है। 2024 अनुदान के मुख्य फोकस क्षेत्रों में जलवायु नवाचार, वित्तीय समावेशन, कृषि और सतत ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और आजीविका संवर्धन, लिंग विविधता और समावेशन शामिल हैं। जिन स्टार्ट-अप्स को अनुदान मिला है, वे उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों से आए हैं, जिनमें से सबसे बड़ी संख्या महाराष्ट्र से है। इनमे 170 स्टार्ट-अप में से आधे से अधिक 60 से अधिक टियर II/III शहरों से हैं। एचडीएफसी बैंक की प्रमुख सीएसआर सुश्री नुसरत पठान ने कहा, हमारा परिवर्तन स्टार्ट-अप अनुदान कार्यक्रम सामाजिक नवाचार को बढ़ावा देने और हमारे समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इनोवेशन समाज की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने की कुंजी है। रणनीतिक सहयोग और लक्षित निवेश के माध्यम से, हमारा लक्ष्य प्रमुख क्षेत्रों में नवोन्मेषी सामाजिक स्टार्ट-अप के प्रभाव को पोषित करना और बढ़ाना है, जो अंततः सभी के लिए अधिक टिकाऊ और समावेशी भविष्य में योगदान देगा। यह अनुदान उभरते इनक्यूबेटरों आईआईटी मद्रास में एचटीआईसी, आईआईटी रोपड़ में अवध, टी-हब (हैदराबाद), एफ्आईटीटी - आईआईटी दिल्ली, आईआईएसईआर (कोलकाता) में राइज फाउंडेशन, वीजेटीआई (मुंबई), फोर्ज फॉरवर्ड (कोयंबटूर) जैसे अग्रणी और एनआईएफ्टीईएम (किंडली) में एनटीआईबीआईएफ को अनुदान प्रदान किया गया।

व्हीलचेयर टेनिस चैम्पियनशिप के माध्यम से एथलीटों को सशक्त बनाने फर्स्ट सर्व और एआईटीए आए साथ

नईदिल्ली(एजेंसी)। रेयान पुंज द्वारा स्थापित एनजीओ फर्स्ट सर्व ने हाल ही में यहां डीएलटीए स्टेडियम में एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण का आयोजन किया, जो भारत में टेनिस के खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है। रेयान पुंज के नेतृत्व में फर्स्ट सर्व ने दिव्यांग लोगों के लिए खेलों का आयोजन और इसकी बढ़ोतरी के लिए हमेशा आवाज उठाई है। हर बाधाओं को दूर करने और एथलीटों के लिए अवसर पैदा करने का संगठन का मिशन पूरे देश में गूंज रहा है, इसलिए एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप भारतीय टेनिस परिदृश्य में एक प्रमुख आयोजन के रूप में उभर रही है। चैंपियनशिप में 3.5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया, जो पूरे भारत के शीर्ष क्रम के व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ियों को आकर्षित करता है। कार्तिक के और शिल्पा केपी जैसे प्रसिद्ध एथलीटों ने इसमें भाग लिया और राष्ट्रीय गौरव के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने किया। दूरदर्शन-डीडी स्पोर्ट्स ने चैंपियनशिप फाइनल का लाइव कवरेज किया, जिसमें देश भर के दर्शकों को कौशल का प्रदर्शन देखने का मौका मिला। इस मौके पर रेयान पुंज ने कहा, मैं खेलों में पहुंच और सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के लिए एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप के साथ सहयोग कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। टेनिस के माध्यम से, हमारा लक्ष्य नई पीढ़ी को प्रेरित करना है जो अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाएंगे। यह पहल सामाजिक प्रभाव और युवा सशक्तिकरण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता जताता है। इस चैम्पियनशिप के माध्यम से एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप और फर्स्ट सर्व एनजीओ का लक्ष्य नई पीढ़ी को प्रेरित करना है जो अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

अंपायर से बहस करना सैमसन को पड़ा महंगा, बीसीसीआई ने ठोका जुर्माना

नई दिल्ली(एजेंसी)। शतक से चूकने और टीम की हार के बाद संजू सैमसन को एक तीसरा झटका लगा है। मंगलवार को दिल्ली के खिलाफ मैदानी अंपायरों के साथ तीखी बहस के लिए आरआर कप्तान पर बीसीसीआई ने मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। डीसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 221 रन बनाए थे। जवाब में राजस्थान की टीम 20 ओवर में 201 रन ही बना सकी। सैमसन की 46 गेंदों में

86 रनों की बेहतरीन पारी का अंत विवादित रहा। शाई होप ने मुकेश की गेंद पर बाउंड्री रोप के पास सैमसन का एक शानदार कैच लपका। ऐसा लगा कि होप ने गेंद को सफलतापूर्वक पकड़ लिया था और कई रीप्ले को देखकर भी यही लगा, लेकिन एक ऐसा एंगल भी था जिसने कैच को लेकर थोड़ा संदेह पैदा कर दिया। हालांकि, तीसरे अंपायर ने अंततः पहले दो रीप्ले पर भरोसा किया और सैमसन को आउट घोषित कर दिया। इसके बाद शुरुआत में डगआउट की ओर बढ़ रहे सैमसन रिप्ले देखने के बाद अंपायर के फैसले से असंतुष्ट दिखे और अंपायरों से बहस करने लगे। हालांकि थोड़ी देर बहस करने के बाद संजू को अंपायर का फैसला मानकर पवेलियन जाना पड़ा। अब बीसीसीआई ने सैमसन के इस व्यवहार के लिए जुर्माना ठोक दिया है।

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स की

नई दिल्ली(एजेंसी)। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार को कुलदीप यादव और मुकेश कुमार की शानदार गेंदबाजी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स पर 20 रन की जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। जेक फ्रेजर-मैकगर्क और अभिषेक पोरेल ने विपरीत अंदाज में अर्धशतक जमाए, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने 20 गेंदों में 41 रन बनाकर दिल्ली कैपिटल्स को 221/8 तक पहुंचाया। इसके बाद राजस्थान रॉयल्स को 201/8 पर रोकने के लिए कुलदीप और मुकेश ने क्रमशः 2-25 और 2-30 के निर्णायक स्पैल फेंके। इस जीत से डीसी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है और अब 12 अंकों के साथ लखनऊ सुपर जाइंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बराबरी पर है। यह लगातार दूसरी बार है कि आरआर कप्तान संजू सैमसन की शानदार 86 रनों की पारी के बावजूद लक्ष्य का पीछा पूरा करने में विफल रही और उसे प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के लिए और अधिक इंतजार करना होगा। खलील अहमद ने अपने पहले ओवर में यशस्वी जायसवाल को मिड-ऑफ पर धीमी बाउंसर फेंककर आउट किया। संजू सैमसन ने पावर-प्ले में पांच चौके और तीन छक्के लगाने के लिए अपने लॉफ्ट, ड्राइव, फ्लैट-बैटेड स्मैश, पंच, फ्लिक और कवर में अंतराल को सटीक रूप से भेदने के शानदार समय के साथ आगे बढ़ाया। लेकिन आरआर ने आखिरी ओवर में जोस बटलर का विकेट खो दिया। अक्षर और कुलदीप ने साथ मिलकर 7-10 ओवरों में 25 रन देकर धीमी गति से रन बनाए, हालांकि रियान पराग को दो छक्के और एक चौका मिला। सैमसन ने 28 गेंदों में अपना पांचवां आईपीएल 2024 अर्धशतक पूरा किया और कुलदीप की गेंद पर छक्का जड़ा। उन्होंने रसिख की गेंद पर भी चौका और छक्का लगाया।

सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण पीएलआई विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता खत्म करेगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण के लिए मानक बनाने की कवायद शुरू कर दी है। उद्योग हितधारकों ने कहा कि यह कदम आत्मनिर्भर भारत बनाने व निर्यात को और बढ़ाने के लिए एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। आईटी मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक्स घटक क्षेत्र के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना तैयार करने के लिए विभिन्न हितधारकों से उनके दृष्टिकोण मांगे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि इस कदम से मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) की अपने उत्पादों के लिए विभिन्न घटकों और उप-असेंबली की खरीद के लिए चीन और वियतनाम जैसे देशों पर निर्भरता कम हो जाएगी। ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रबंध

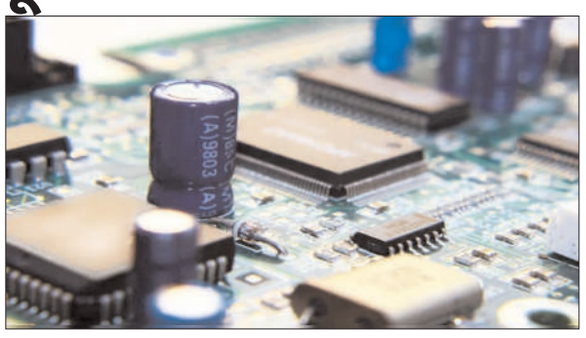

निदेशक ए. गुरुराज ने आईएएनएस को बताया, ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड देश में संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए सरकार के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। गुरुराज ने कहा, हम देश में इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण के लिए पीएलआई योजना का विस्तार करने के सरकार के प्रस्ताव का स्वागत करते हैं, जो वास्तव में आत्मनिर्भर भारत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। सरकार के इस कदम से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होंगे। पिछले 10 वर्षों में, जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया है, लाखों नई नौकरियां पैदा हुई हैं। अकेले इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में लगभग 12 लाख नई नौकरियां पैदा हुई हैं, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण 100 अरब डॉलर से अधिक तक पहुंच गया है। सुपर प्लास्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (एसपीपीएल) के सीईओ अवनीत सिंह मारवाह ने आईएएनएस को बताया कि यह कदम घरेलू घटक विनिर्माण को बढ़ावा देने का वादा करता है, जो मेक इन इंडिया पहल को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मारवाह ने बताया, इस समय हम विभिन्न देशों से प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक घटकों की आउटसोर्सिंग पर बहुत अधिक निर्भर हैं। हालांकि, इन-हाउस विनिर्माण की शुरुआत के साथ हम दो महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए खड़े हैं = अधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के माध्यम से बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धात्मकता और हमारी आपूर्ति श्रृंखला के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।

राकेश झुनझुनवाला की पत्नी को शेयर बाजार में हुआ बड़ा नुकसान

नई दिल्ली(एजेंसी)। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक रहे दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला को कारोबारी सत्र के दौरान 800 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। उन्हें यह नुकसान टाटा समूह के स्वामित्व वाली कंपनी टाइटन के शेयरों के टूटने से हुआ है। टाटा समूह के इस शेयर पर झुनझुनवाला परिवार ने बड़ा निवेश कर रखा है। 31 मार्च 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार झुनझुनवाला परिवार की टाइटन में करीब 5.35त्न की हिस्सेदारी थी। शुक्रवार को बाजार की क्लोजिंग के दौरान टाइटन के शेयरों में उनकी होल्डिंग का कुल मूल्य 16,792 करोड़ रुपये था। सोमवार को टाइटन के शेयर 7त्न तक टूट गए। मार्च तिमाही के नतीजों के बाद निवेशकों में टाइटन के शेयरों में खरीदारी के प्रति निराशा दिखी। इस गिरावट से झुनझुनवाला परिवार को खासा नुकसान उठाना पड़ा। उन्हें टाटाइन के शेयर कमजोर होने से करीब 800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कारोबारी सत्र के दौरान टाइटन के शेयर 3,352.25 के अपने निचले स्तर पर पहुंचने के बाद 3281.65 रुपये पर बंद हुए। इसके परिणाम स्वरूप कंपनी का नेट वैल्यू 3 लाख करोड़ रुपये से कम होकर 2,91,340.35 करोड़ रुपये रह गया। टाइटन के शेयरों में इस गिरावट से शेयरों में झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी का मूल्य 15,986 करोड़ रुपये रह गया।

आईएसबी ने लॉन्च किया आई-वेंचर इमर्सिव (ivi) प्रोग्राम; डिग्री या CAT/GMAT/GRE की नहीं होगी ज़रूरत

नईदिल्ली। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) ने आई-वेंचर इमर्सिव (ivi) प्रोग्राम लॉन्च किया है, खास तौर पर ऐसे लोगों के लिए जो अपने इनोवेटिव आइडिआ को स्टार्टअप की शक्ल देना चाहते हैं और कारोबारी बनना चाहते हैं। इसे आईएसबी के आंत्रप्रेन्योरशिप यूनिट, आई-वेंचर ऐट आईएसबी (I-Venture@ISB), ने शुरू किया है। यह देशभर के उभरते व्यवसाईओं को अपने जूनून और मेहनत को सही मुकाम तक पहुँचाने का काम करेगा। दाखिला लेने के लिए बारहवीं के बाद की शिक्षा ज़रूरी नहीं है, न ही किसी मौजूदा एंट्रेंस एग्ज़ाम, जैसे GRE, GMAT वगैरा, की ज़रूरत होगी। 'ivi' के पहले बैच में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है और अक्टूबर से इसकी पढ़ाई शुरू होगी, जिसमें 50 सीट ऑफ़र की जा रही हैं। इस प्रोग्राम को 'इनक्यूबेटर से ज़्यादा और स्कूल से बढ़कर' की शक्ल दी गई है, जिसके तहत फुल-टाइम पाठ्यक्रम आईएसबी के हैदराबाद कैम्पस पर ऑफ़र किया गया है। एप्लाई करने के लिए वीडियोज़ अपलोड करके अपना मोटिवेशन शेयर करना होगा। सलेक्शन प्रोसेस सिर्फ ग्रेड और मार्क्स तक सीमित नहीं है। 'ivi' में छात्रों को काबिलियत के हिसाब से अपने आइडिया को जमीन पर लागू करने के लिए वित्तीय सहयोग भी दिया जाएगा। इस प्रोग्राम को हर तरह के आंत्रप्रेन्योर या इनोवेटर की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें शामिल हैं: हाल ही में पढ़ाई पूरी करने वाले युवा जो अपना स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं; टेक प्रोफेशनल जो कारोबारी समझ पाना चाहते हैं; और ऐसे युवा जो अपने फैमिली बिजनेस से हटकर या बढ़कर नया वेंचर शुरू करना चाहते हैं। महिला उद्यमियों को खास तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, ऐसे में यह प्रोग्राम उनकी खास तौर पर मदद कर सकता है। इसके अलावा, यह प्रोग्राम सैन्य सेवाओं में शामिल ऐसे लोगों के लिए भी है जो अपनी लीडरशिप स्किल का इस्तेमाल आंत्रप्रेन्योरशिप के क्षेत्र में करना चाहते हैं।

जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स रायपुर में आयोजित करेगी मेगा सर्विस कैंप

रायपुर : जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स अपने बेहद सफल मेगा सर्विस कैंप को छत्तीसगढ़ के रायपुर में पेश करने के लिए तैयार है। विभिन्न राज्यों में सर्विस कैंप के पहले चरण की सफलता के बाद, सर्विस कैंप के दूसरे चरण का और अधिक शहरों में विस्तार किया जाएगा। इस कैंप का आयोजन रायपुर में, विशेष रूप से इस क्षेत्र के 2019 और 2020 मॉडल के जावा मोटरसाइकिल मालिकों के लिए 10 मई से 11 मई तक होगा।

सर्विस कैंप यहां आयोजित होगा: बिष्णु मोटर्स - तेलीबांधा, टीवीएस के सामने, वार्ड नंबर- 33, नगर निगम नंबर-134 ए/बी/सी/डी, खसरा नंबर-277, प्लॉट नंबर-113/44, पिनकोड - 492001 रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

इस कैंप में, 2019-2020 जावा मोटरसाइकिलों के मालिकों को वाहन की व्यापक जांच और चुनिंदा कल-पुर्ज़े मुफ्त बदलने की सुविधा होगी। मोटुल, एमरॉन और सिएट टायर्स सहित अग्रणी मूल उपकरण आपूर्तिकर्ता ग्राहकों की सहायता के लिए सक्रिय रूप से भाग लेंगे। दीर्घकालिक ग्राहक संतुष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स, मोटरसाइकिलों की जांच के मूल्यांकन के आधार पर मानार्थ विस्तारित वारंटी की पेशकश कर रही है। इसके अतिरिक्त, विनिमय मूल्य (एक्सचेंज वैल्यू) का आकलन करने के लिए अपनी मोटरसाइकिलों को अपग्रेड करने में रुचि रखने वालों के लिए एक निर्दिष्ट क्षेत्र होगा। पहले चरण के सर्विस कैंपों की सफलता के मद्देनज़र जावा को उम्मीद है कि जून के अंत तक लगभग 10,000 बाइक की सर्विसिंग हो सकती है। पहले चरण के इन कैंप में 6250 से अधिक जावा मोटरसाइकिलों की सर्विसिंग हो चुकी है। जावा आने वाले महीनों में देश भर के कई शहरों में मेगा सर्विस कैंप (दूसरे चरण) का आयोजन करेगी। अगले कैंप भुवनेश्वर, हुबली, पटना, त्रिची, अनंतपुर, गोवा, नासिक और जबलपुर में आयोजित किये जाएंगे।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 10 मई 2024

राज्यपाल ने हाई स्कूल-हायर सेंकेण्डरी परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर (विसं)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आज जारी कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड के नतीजों में सफलता हासिल करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने कहा है कि विद्यार्थियों ने जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है, जो उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। उन्होंने समस्त छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा है कि वे भविष्य में इसी तरह निरन्तर आगे बढ़ते रहें और अपने परिवार, राज्य और देश का नाम रोशन करें। विद्यार्थियों की सफलता के पीछे उनके गुरूजनों और माता-पिता का भी महत्वपूर्ण योगदान रहता है, मैं इसके लिए उन्हें भी बधाई देता हूं।

हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी मुख्य परीक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित

हाईस्कूल में 75.61 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण, बालिकाओं का प्रतिशत 79.35 तथा बालकों का प्रतिशत 71.12 रहा

- हायर सेकण्डरी में 80.74 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण, बालिकाओं का प्रतिशत 83.72 तथा बालकों का प्रतिशत 76.91
- 10वीं बोर्ड परीक्षा के टॉप-10 में 59 विद्यार्थियों ने बनाया स्थान, जशपुर की सिमरन सब्बा ने प्राप्त किया प्रथम स्थान
- 12वीं बोर्ड परीक्षा की टॉप-10 सूची में 20 विद्यार्थी शामिल, सरायपाली की महक अग्रवाल प्रथम स्थान पर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती रेणु जी पिल्ले ने आज मण्डल के सभागृह में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाईस्कूल और हायरसेकण्डरी बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित किये। हाई स्कूल परीक्षा में 75.61 प्रतिशत और हायर सेकण्डरी परीक्षा में 80.74 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। श्रीमती पिल्ले ने समस्त सफल परीक्षार्थियों को बधाई तथा शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होने कहा कि असफलता ही सफलता की सीढ़ी है इसे ध्यान रखते हुये, जो परीक्षार्थी असफल हो गये हैं, वे निराश न हो। पुन: अच्छी पढ़ाई करके परीक्षा में सम्मिलित होने पर सफलता अवश्य मिलेगी।

कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा के टॉप-10 में कुल 59 विद्यार्थी और बारहवीं बोर्ड परीक्षा की मैरिट लिस्ट के टॉप-10 में 20 विद्यार्थी हैं। दसवी बोर्ड परीक्षा के मैरिट लिस्ट में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम जशपुर की सिमरन सब्बा ने 99.50 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान, सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकण्डरी स्कूल कोपरा जिला गरियाबंद की होनिशा ने 98.83 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा बारहवीं बोर्ड परीक्षा के मैरिट लिस्ट में इवास वूडलैंड अंग्रेजी माध्यम हायर सेकण्डरी स्कूल सराईपाली जिला की महक अग्रवाल ने 97.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम और स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट योजना अंतर्गत गुरूघासीदास शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कुल जिला बलौदा-बाजार की कोपल अम्बष्ट ने 97 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाईस्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2024 में 3 लाख 45 हजार 686 परीक्षार्थी पंजीकृत हुये। इनमें से 3 लाख 40 हजार 220 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। जिनमें से 3 लाख 39 हजार 994 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये। घोषित परीक्षा परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 2 लाख 57 हजार 072 है। इस प्रकार 75.61 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इनमें उत्तीर्ण बालिकाओं का प्रतिशत 79.35 तथा बालकों का प्रतिशत 71.12 रहा। घोषित परीक्षा परिणाम में प्रथम श्रेणी में 1 लाख 17 हजार 519 (34.56 प्रतिशत) है, द्वितीय श्रेणी में 1 लाख 23 हजार 386 (36.29 प्रतिशत) है तथा तृतीय श्रेणी में 16 हजार 165 (4.75 प्रतिशत) विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे। पास श्रेणी में 02 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि 19 हजार 012 परीक्षार्थियों को पूरक की पात्रता मिली है। विभिन्न कारणों से 226 परीक्षार्थियों के परिणाम रोके गये हैं, जिनमें 15 परीक्षार्थियों के परिणाम नकल प्रकरण के कारण रोके गये हैं तथा 205 परीक्षार्थी का पात्रता के अभाव में परीक्षा आवेदन निरस्त किये गये हैं तथा 06 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जांच की श्रेणी में रोका गया है।

हाईस्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2023 में 3 लाख 30 हजार 681 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये थे। सम्मिलित परीक्षार्थियों के उत्तीर्ण का प्रतिशत 75.05 था। इस प्रकार गतवर्ष से इस वर्ष परीक्षा परिणाम में लगभग 0.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2024 में पंजीकृत 2 लाख 61 हजार 077 परीक्षार्थियों में से 2 लाख 58 हजार 704 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। घोषित परीक्षा परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 2 लाख 08 हजार 789 है अर्थात् कुल 80.74 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इनमें बालिकाओं का प्रतिशत 83.72 तथा बालकों का प्रतिशत 76.91 है। इसमें प्रथम श्रेणी में 88 हजार 101 (34.07 प्रतिशत), द्वितीय श्रेणी में 1 लाख 09 हजार 185 (42.22 प्रतिशत) तथा तृतीय श्रेणी में 11 हजार 498 (4.45 प्रतिशत) परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए है। पास श्रेणी में 05 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। पूरक की पात्रता 22 हजार 232 परीक्षार्थियों को मिली है। विभिन्न कारणों से 129 परीक्षार्थियों के परिणाम रोके गये, जिसमें 31 परीक्षार्थियों के परिणाम नकल प्रकरण के कारण, 96 परीक्षार्थी पात्रता के अभाव में परीक्षा आवेदन निरस्त किये गये हैं तथा 02 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जांच की श्रेणी में रोका गया है।

हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2023 में 3 लाख 23 हजार 625 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे। इनमें परीक्षार्थियों के उत्तीर्ण का प्रतिशत 79.96 था। इस प्रकार गतवर्ष से इस वर्ष परीक्षा परिणाम में लगभग 0.78 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के आदेशानुसार शैक्षणेत्तर गतिविधियों में हाईस्कूल परीक्षा 2024 में 1108 एवं हायर सेकण्डरी 2024 में 1131 सहित कुल 2239 छात्रों को बोनस अंक प्रदान किये गये हैं। मण्डल द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार प्रावीण्य सूची में शैक्षणेत्तर गतिविधियों के अंक नहीं जोड़े जाने का निर्णय लिया गया है। अत: इस वर्ष बोनस अंक को छोड़कर अस्थाई प्रावीण्य सूची तैयार की गई है।

परीक्षा परिणाम छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की वेबसाइट- https://cg.results.nic.in, https://www.results.cg.nic.in तथा https://www.cgbse.nic.in पर उपलब्ध है। इसके अलावा www.jagranjosh.com, www.indiane&press.com एवं www.tv9hindi.com पर भी परीक्षा परिणाम देखे जा सकते हैं। इस अवसर पर सचिव छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल श्रीमती पुष्पा साहू सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

10वीं और 12वीं परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को बृजमोहन अग्रवाल ने दी बधाई

कहा- असफलता हमें पूर्ण विश्वास के साथ अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है

बृजमोहन अग्रवाल ने असफल परीक्षार्थियों को धैर्य रखने और निरंतर प्रयास करने की सलाह दी

गुरुवार को छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने परीक्षा में उत्तीर्ण सभी परीक्षार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। साथ ही असफल परीक्षार्थियों को धैर्य रखने और निरंतर प्रयास करने की सलाह दी।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि परीक्षाफल केवल हमारे प्रयासों का प्रतिबिंब मात्र है. यह हमारी क्षमता या बुद्धिमत्ता का पूर्ण माप नहीं है। यह हमें समझने में मदद करता है कि हमने कितना अच्छा प्रदर्शन किया, किन क्षेत्रों में हम मजबूत हैं और किनमें सुधार की आवश्यकता है। वास्तविक जीवन में सफलता कठिन परिश्रम, लगन, दृढ़ता और अनुकूलन क्षमता से प्राप्त होती है। जिन परीक्षार्थियों को किसी कारणवश सफलता नहीं मिली उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। असफलता हमें पूर्ण विश्वास के साथ अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है। आप सभी अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित रखें, सीखते रहें, और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। यही सच्ची सफलता की कुंजी है। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि वो ईश्वर से कामना करते हैं कि, सभी परीक्षार्थी अपने जीवन में मनवांछित सफलता प्राप्त करें।

इस वर्ष 10 वीं में 75.61 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए जिनमे 79.35 फीसदी बालिका और 71.12 फ़ीसदी बालक उत्तीर्ण हुए। जबकि 12वीं में 80.74 फ़ीसदी परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए जिनमें 83.72 प्रतिशत बालिका और 76.91 प्रतिशत बालक शामिल है।

बिरगांव ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम के जन्मोत्सव की तैयारियां

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रांतीय अंखड ब्राह्मण समाज बिरगांव ईकाई की आम बैठक सुर्यो कोचिंग सेंटर प्रांगण बिरगांव में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री मती भारती किरण शर्मा दिशानिर्देश पर पं. हेमलाल शर्मा ने की। बैठक में बिरगांव नगर-निगम क्षेत्र सहित ग्राम उरला, सरोरा, अछोली, रावांभठा, उरकुरा, भनपुरी, गोंदवारा क्षेत्र के ब्राह्मण प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 12 मई दिन रविवार को आराध्य देव भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव कार्यक्रम पूरी श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम को श्रद्धाभाव से मनाने हेतु विभिन्न क्रियाशील समितियों का गठन किया गया एवं जिला रायपुर सहित छ.ग प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित भगवान श्री परशुराम जी के अनन्य भक्तों एवं धर्मावलंबियों को भावपूर्ण आमंत्रण प्रस्तुत करते हुए आह्वान किया गया कि कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा भगवान श्री परशुराम जी के आशीर्वाद के भागीदार बने। पं.मेघराज तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार 12 मई दिन रविवार अक्षय तृतीय के उपलक्ष्य पर भगवान श्री परशुराम जी के जन्म उत्सव पर दोपहर तीन बजे सगुन मैरिज पैलेस मेन रोड बिरगांव से भगवान भोलेनाथ मनोकामना मंदिर तक एवं वापिस सगुन मैरिज पैलेस शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

दोपहर 3बजे से श्री गणेश भगवान श्री परशुराम पुजा एवं एक जोड़ी वैवाहिक कार्यक्रम एवं आदर्श विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न होगा प्रांगण में स्थित भगवान श्री परशुराम जी के समक्ष में सगुन मैरिज पैलेस में आयोजित होगा। उसके बाद सायं साढ़े पांच बजे से सात बजे शाम तक अथिति उद्बोधन संध्या एवं विशेष शोभायात्रा प्रवचन कार्यक्रम आयोजित होगा। तत्त्पश्चात भंडारा प्रसाद कार्यक्रम प्रभु ईच्छा तक आयोजित होगा। बैठक में प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज बिरगांव इकाई के अध्यक्ष पं.हेमलाल शर्मा, नारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष, चंद्र किरण पाठक महासचिव बंसत शर्मा, मुख्य संरक्षक नान्हूधरदीवान, कोषाध्यक्ष, सुर्याकान्त शर्मा, प्रधान युवा प्रकोष्ठ, विपिन तिवारी, कौशल शर्मा, जय प्रकाश दिवान, राजेंद्र शर्मा, राकेश शर्मा, पंकज शर्मा, विजय शर्मा, विमल शर्मा, विकास शर्मा, मोहन लाल शर्मा, श्री प्रेमलता शर्मा, श्रीमतिसत्यवती पाण्डेय, श्रीमतीरेखा तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्वाचन में सहभागिता देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, संगठनों और मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया

मतदान प्रतिशत में हुई 1.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी, कुल 72.8 प्रतिशत मतदान

यह प्रदेश में अब तक हुए लोकसभा चुनावों में सबसे ज्यादा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने प्रदेश में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में अपनी सहभागिता प्रदान करने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, शासकीय एवं अशासकीय संगठनों, लोकसेवी संस्थाओं और मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी सहभागिता दी। उन्होंने निर्वाचन कार्य में संलग्न एवं नियोजित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

श्रीमती कंगाले ने केन्द्रीय सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस बल के प्रति भी आभार व्यक्त किया है जिन्होंने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के सभी पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने आम निर्वाचन के दौरान निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों एवं निर्वाचन गतिविधियों के प्रभावी प्रचार-प्रसार के साथ ही मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने मतदाताओं को जागरुक और मतदान के लिए प्रेरित करने वाले सभी लोगों, शासकीय एवं गैर शासकीय प्रतिभागियों, विभिन्न लोक सेवी संस्थाओं और संगठनों के प्रति भी आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में इस बार लोकसभा चुनाव के मतदान प्रतिशत में 1.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के लिए तीन चरणों में हुए मतदान में यहां के कुल 72.8 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह प्रदेश में हुए अब तक के लोकसभा चुनावों में मतदान का सर्वाधिक प्रतिशत है।

डी.डी. नगर मंदिर में महावीर ज्ञान विद्यासंघ पैनल ने किया पूजन अभिषेक

बड़ा मंदिर में अक्षय तृतीय पर्व पर मूलनायक आदिनाथ जी का स्वर्ण कलशों से अभिषेक, ईक्षु रस का वितरण

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 9 मई सुबह 7 बजे डी.डी. नगर के मूलनायक श्री वासुपुज्य भगवान के दर्शन एवं आशीर्वाद हेतु आज बड़े मंदिर जी के श्री संजय नायक, राजेश रज्जन जी, श्रेयश जैन, शैलेंद्र जैन, प्रणीत जैन मीडिया प्रवीण जैन जी आदि पहुंच कर प्रतिदिन होने वाली अभिषेक शांतिधारा पूजन में भाग लिया। मंदिर समिति के सदस्यों ने सभी का स्वागत किया। कल दिनांक 10 अप्रैल शुक्रवार को अक्षय तृतीय पर्व के अवसर पर जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर, रायपुर राजधानी के बड़े मंदिर के बड़े बाबा देवाधिदेव मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान का पारणा महोत्सव अक्षय तृतीया पर्व को बड़े धूमधाम से मनाया जायेगा। बड़ा मंदिर के अध्यक्ष संजय नायक जैन ने बताया की मुख्य कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रात: 7.30 बजे से मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान की चल प्रतिमा का स्वर्ण कलशों से अभिषेक शांतिधारा कर पूजन किया जाएगा। तत्पश्चात सार्वजनिक रूप से गन्ने के रस का वितरण 9 बजे से 10 बजे तक किया जायेगा।

दिगंबर जैन धर्म के अनुसार अक्षय तृतीय का महत्व : भारत महान संस्कृति वाला देश है. यहां हर पर्व-त्योहार बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है. हर त्योहार के लिए प्रत्येक धर्म के लोगों की अपनी-अपनी मान्यताएं होती हैं. हिंदू धर्म में जहां अकती या अक्षय तृतीया के दिन को बहुत शुभ माना जाता है, तो वहीं जैन धर्म में भी इस दिन का महत्व कुछ कम नहीं है। जैन धर्म में अक्षय तृतीया पर दान का विशेष महत्व बताया गया है. जैन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, भगवान आदिनाथ ने सबसे पहले समाज में दान के महत्व को समझाया था और दान की शुरुआत की थी. भगवान आदिनाथ राज-पाठ का त्याग करके वन में तपस्या करने निकल गए. उन्होंने वहां 6 महीने तक लगातार ध्यान किया. 6 महीने बाद जब उन्होंने सोचा कि इस समाज को दान के बारे में समझाना चाहिए तो वे ध्यान से उठकर आहार मुद्रा धारण करके नगर की ओर निकल पड़े.नगर में तीर्थंकर मुनि को देखकर सारे लोग खुशी से झूम उठे और तीर्थंकर मुनि को अपनी सारी चीजें देने के लिए आगे आ गए. लेकिन वे नहीं जानते थे कि मुनिराज दुनिया की मोह-माया को त्याग चुके हैं. ऐसा करते-करते उन्हें 6 महीने हो गए और उन्हें आहार की प्रप्ति कहीं नहीं हुई. और इस तरह लगभग एक साल से ज्यादा का समय बीत गया.फिर एक दिन वे हस्तिनापुर के नाम से प्रचलित शहर चले गए, जो राजा सोम और राजा श्रेयांस का राज्य था. राजा श्रेयांस बहुत ज्ञानी राजा थे और उन्हें आहार विधि का भी ज्ञान था. अदि मुनिराज को देखकर उन्होंने आहार दान की प्रक्रिया शुरू कर दी और सबसे पहले मुनिराज को इक्षुरस यानी कि गन्ने के रस से आहार कराया. और इसी तरह राजा श्रेयांस और राजा सोम के घर सबसे पहले तीर्थंकर मुनिराज के आहार हुए.

जैन धर्म में अक्षय तृतीया के दिन लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषाधि दान या फिर मंदिरों में बहुत दान करते हैं. बता दें कि जैन धर्म की मान्यता के हिसाब से भगवान आदिनाथ ने इस दुनिया को असि-मसि-कृषि के बारे में बताया था. इसे आसान भाषा में समझें तो असि यानि तलवार चलाना, मसि यानि स्याही से लिखना, कृषि यानी खेती करना होता है. भगवान आदिनाथ ने ही लोगों को इन विद्याओं के बारे में समझाया और लोगों को जीवन यापन के लिए इन्हें सीखने का उपदेश दिया. कहते हैं कि भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले अपनी बेटियों को पढ़ाकर जीवन में शिक्षा का महत्व बताया था. -**प्रणीत जैन**

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों पर किया मैराथन प्रचार, 48 विधानसभा क्षेत्रों में की जनसभाएं

11 लोकसभा सीटों की 48 विधानसभाओं में 121 सभा कर उप मुख्यमंत्री साव ने भाजपा प्रत्याशियों के लिए मांगा वोट

66 दिनों में गांव और शहरों में किए 121 से अधिक आमसभाएं, साथ ही कार्यालय में लोगों की समस्याएं सुनीं

रायपुर (विश्व परिवार)। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने देश में तीसरी बार यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार बनाने छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों पर प्रचार कर भाजपा के लिए मांगा समर्थन। अरुण साव ने 20 मार्च से 5 मई तक यानी 66 दिनों तक लोकसभा क्षेत्रों का सघन दौरा किया। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों व शहरों में जनसंपर्क और आमसभा कर भाजपा के लोकप्रिय प्रत्याशियों के लिए वोट मांगें। साव ने लोगों से कहा कि, मोदी जी का हाथ मजबूत करने, गरीब मां के बेटे को प्रधानमंत्री बनाने भाजपा प्रत्याशी को आशीर्वाद दें।

छोटी-छोटी बैठकें कर देशहित में मतदान करने किया प्रोत्साहित, प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया के सवालों का दिया जवाब

अरुण साव ने 48 विधानसभा के कोने कोने में चुनावी सभाएं की। तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन 11 सभाएं की। वहीं 66 दिनों में 121 से अधिक आमसभाएं, स्थानीय बैठकें, जनसंपर्क व प्रेस कांफ्रेंस करते रहे। महासमुंद, बिलासपुर लोकसभाओं में मध्य रात्रि तक चुनाव प्रचार करते रहे उपमुख्यमंत्री साव। बता दें कि, उपमुख्यमंत्री ने 11 सीटों पर अधिकतर दौरा कार से तय किया।

लोरमी में जेपी नड्डा की हुई ऐतिहासिक सभा

मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री भी लगातार जनसंपर्क और सभाएं कर रहे हैं, प्रचार से भाजपा के पक्ष में जबरदस्त माहौल बनता दिख रहा है, वोट देने के लिए लोग तपती दोपहर में भी मतदान केंद्रों तक पहुंचे। डिप्टी सीएम साव ने चुनाव प्रचार के इतर रायपुर निवास में सुबह लोगों की समस्याएं सुनीं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव के विधानसभा क्षेत्र लोरमी में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी की ऐतिहासिक जनसभा हुई। सभा से पहले सुबह जमकर बारिश हुई, इससे कार्यक्रम रद्द होने की आशंका जताई जा रही थी। कार्यकर्ताओं के हौसलों के चलते कम समय में दोबारा तैयारियां पूरी की गई और मंच पर क्षेत्र वासियों की भारी भीड़ उमड़ी, इसे देखकर जेपी नड्डा जी खुश हुए और रैली की जमकर प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री साय ने सिमरन-महक को दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा गुरुवार को जारी बोर्ड परीक्षा परिणाम में प्रावीण्य सूची में स्थान पाने वाले प्रदेश की सिमरन शब्बा और महक अग्रवाल को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए शाबासी दी है।

मुख्यमंत्री ने ट्वीटर पर जारी पोस्ट में बेटियों को संबोधित करते हुए लिखा- शाबास बेटियों, दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बिटिया सिमरन शब्बा और महक अग्रवाल को बहुत-बहुत बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं। परीक्षा में उत्तीर्ण सभी बच्चों, अभिभावकगण एवं शिक्षकों को मेरी शुभकामनाएं और जिन बच्चों के परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं आए उनको निराश नहीं होना है। निरंतर मेहनत करते रहें, भविष्य में और बेहतर करने के कई मौके मिलेंगे। एक दिन सपुल्ता जरुर आपके कदम चूमेगी।

गजेंद्र कुमार जी का निधन

रायपुर (विश्व परिवार)। बस्तर बड़ा जेल रोड रायपुर निवासी गजेंद्र कुमार रवि लाल भाई टॉक (गुनू भाई) आज संध्याकाल 5:05 पर ब्रह्मलीन हुए उनकी उम्र 78 वर्ष थी उनकी अंतिम यात्रा कल दिनांक 10 मई 2024 को बस्तर बड़ा जेल रोड स्थित उनके निवास से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए सुबह 10:30 बजे रवाना होगी। वे हेमेंद्र कुमार टांक के पिता थे।

राज्यपाल को राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने सौंपा वार्षिक प्रतिवेदन

रायपुर (आरएनएस)। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्री सोनल कुमार गुप्ता ने मुलाकात कर आयोग के वर्ष 2022-23 का वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा। उन्होंने आयोग के कार्यो से राज्यपाल को अवगत भी कराया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354